● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 157, पृष्ठ : 08, सीधी, मंगलवार , 15 जुलाई 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

कर्नाटक में कांग्रेस के अंदर ही हो रही विधायकों की खरीद-फरोख्त: प्रहलाद जोशी 5

यानिक सिनर ने पहला विम्बलडन खिताब जीता 6

मप्र में निवेश को लेकर दुबई के निवेशक उत्साहित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की दुबई के निवेशकों से वन-टू-वन चर्चा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दुबई निवेश यात्रा के दौरान सोमवार को अंतरराष्ट्रीय स्तर के निवेशकों और औद्योगिक समूहों से वन-टू-वन चर्चा हुई, जिसमें मध्यप्रदेश में बहु-क्षेत्रीय निवेश की संभावनाओं पर व्यापक और सकारात्मक संवाद हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गल्फ इस्लामिक इन्वेस्टमेंट्स के सह-संस्थापक एवं सह-सीईओ श्री पंकज गुप्ता से मुलाकात कर स्वास्थ्य सेवा, लॉजिस्टिक्स पार्क, औद्योगिक रियल एस्टेट, शिक्षा, खाद्य प्रसंस्करण एवं निर्माण क्षेत्र में संभावित निवेश पर चर्चा की। जीआईआई एक शरिया-संगत वैकल्पिक निवेश फर्म है जो वैश्विक स्तर पर विविध क्षेत्रों में निवेश करती है और अब मध्यप्रदेश में निवेश को लेकर

गंभीरता से विचार कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टाटा समूह के कॉरपोरेट अफेयर्स एवं ग्रोथ प्रमुख श्री अंकुर गुप्ता से भी मुलाकात की। चर्चा में आईटी, ऊर्जा, स्टील, ऑटोमोबाइल, एयरलाइंस, उपभोक्ता उत्पाद और हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर बात हुई। मुख्यमंत्री ने टाटा समूह को मध्यप्रदेश में रणनीतिक निवेश केंद्र स्थापित करने हेतु आमंत्रित करते हुए राज्य की उद्योग-अनुकूल नीतियों और त्वरित अनुमतियों की जानकारी दी।

गल्फ महाराष्ट्र बिजनेस फोरम के अध्यक्ष डॉ. सुनील मांजरेकर के साथ बैठक में जीएमबीएफ द्वारा मध्यप्रदेश को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने, निर्यात बढ़ाने और व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों से सीधे संवाद के लिए मंच प्रदान करने सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने जीएमबीएफ की ग्लोबल कनेक्ट सीरीज़ के माध्यम से प्रदेश के उद्यमियों को वैश्विक मंच उपलब्ध कराने पर प्रसन्नता जताई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से बीडीओ एज के हेड ऑफ एडवायजरी श्री शिवेंद्र झा ने भेंट कर भोपाल में 150-सीटर ग्लोबल केपेबिलिटी सेंटर की स्थापना और इंदौर में प्रस्तावित दूसरा डिजिटल सेंटर की जानकारी साझा की। यह केंद्र डिजिटल व परामर्श सेवाओं में रोजगार सृजन करेगा। साथ ही अगले तीन वर्षों में 800-1000 उच्च-कुशल नौकरियों के सृजन का लक्ष्य है।

शराफ डीजी ग्रुप के चेयरमैन श्री इब्राहिम शराफ के साथ हुई बैठक में मध्यप्रदेश में 30-50 मिलियन अमेरिकी डॉलर की लागत से रेल साइडिंग लॉजिस्टिक्स पार्क की स्थापना का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिससे राज्य में 300 से 600 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एस्सार अल घुरैर इन्वेस्टमेंट के प्रतिनिधि श्री योसेफ अल गुरैर से मुलाकात कर खाद्य प्रसंस्करण, खाद्य तेल शोधन इकाई और कोल्ड चेन वेयरहाउस परियोजनाओं पर विचार-विमर्श किया। समूह ने राज्य के किसानों से दीर्घकालिक अनुबंधों के माध्यम से कृषि क्षेत्र को मजबूती देने की इच्छा जताई। कोनेरिस ग्रुप के सीईओ श्री भरत भाटिया ने मध्यप्रदेश में एसडी 75 मिलियन लागत से स्टील प्लांट की स्थापना की योजना मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष रखी।

भारत-चीन के संबंध दुनिया के लिए अहम: जयशंकर

बीजिंग। विदेश मंत्री एस जयशंकर चीन के दौरे पर हैं। अपने चीनी समकक्ष वांग के साथ बैठक के दौरान अपने शुरुआती वक्तव्य में जयशंकर ने कहा, आज हमारी बैठक में वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचार-विमर्श होगा। कल हम शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के प्रारूप में मिलेंगे, जिसका मुख्य उद्देश्य आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ से लड़ना है। यह हम सभी की साझा चिंता है और भारत को उम्मीद है कि आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को मजबूती से अपनाया जाएगा। विदेश मंत्री के रूप में आप (वांग यी) लंबे समय से हमारे द्विपक्षीय संबंधों के लिए जिम्मेदार रहे हैं। मुझे इस समय हमारे संबंधों की स्थिति पर चर्चा करने पर खुशी हो रही है, विशेषकर ऐसे समय में जब दुनिया में बड़े बदलाव हो रहे हैं। मैं रचनात्मक और दूरदर्शी

विचारों के आदान-प्रदान की उम्मीद करता हूं।

जयशंकर ने आगे कहा, पिछले नौ महीनों में हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य करने की दिशा में अच्छा प्रगति की है। यह सीमा पर तनाव के समाधान और वहां शांति बनाए रखने की हमारी क्षमता का परिणाम है। यही पारस्परिक रणनीतिक विश्वास और संबंधों के सहज विकास की बुनियाद है। अब जरूरी है कि हम सीमा से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी ध्यान दें, जिनमें तनाव कम करना भी शामिल है। उन्होंने कहा, हमारे संबंधों के कई पहलू और आयाम हैं, क्योंकि हम पड़ोसी देश भी हैं और प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं भी। लोगों के बीच संपर्क को सामान्य बनाने की दिशा में उठाए गए कदम आपसी सहयोग को बढ़ा सकते हैं। इस संदर्भ में यह भी जरूरी है कि व्यापार में बाधाएं और प्रतिबंधात्मक कदम न उठाए जाएं। मुझे उम्मीद है कि इन मुद्दों पर और गहराई से चर्चा होगी। भारत और चीन के बीच स्थिर और रचनात्मक संबंध न केवल हमारे लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए लाभकारी हैं। यह तभी संभव है जब हम एक-दूसरे के प्रति सम्मान, साझा हित और संवेदनशीलता के आधार पर संबंधों को आगे बढ़ाएं। जयशंकर ने कहा, हम पहले भी सहमत हो चुके हैं कि मतभेदों को विवाद नहीं बनने देना चाहिए और प्रतिस्पर्धा को कभी भी संघर्ष नहीं बनने देना चाहिए।

अशीम घोष हरियाणा तो अशोक गजपति गोवा के राज्यपाल बने

कविंदर गुप्ता होंगे लद्दाख के एलजी

नई दिल्ली। पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री पुसापति अशोक गजपति राजू को सोमवार को गोवा का राज्यपाल और जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता को लद्दाख का नया उपराज्यपाल नियुक्त किया गया। इसके अलावा प्रोफेसर अशीम कुमार घोष हरियाणा के नए राज्यपाल होंगे। नियुक्तियां उनके संबंधित पदों का कार्यभार संभालने की तिथि से प्रभावी होंगी। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया

कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल पद से ब्रिगेडियर बीडी मिश्रा (सेवानिवृत्त) का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसमें आगे कहा गया कि कविंदर गुप्ता को लद्दाख का उपराज्यपाल, राजू को गोवा का राज्यपाल और प्रोफेसर अशीम कुमार घोष को हरियाणा का नया राज्यपाल नियुक्त करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू को काफी खुशी हो रही है। तेलुगू देशम पार्टी से ताल्लुक रखने वाले पीए गणपति राजू गृह 2018 से मामलों की स्थायी समिति के सदस्य हैं। इसके अलावा वे 27 मई 2014 से 10 मार्च 2018 तक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री (नागरिक उड्डयन) रहे। मई 2014 में वे 16वीं लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए। 1999 से 2004 तक वे आंध्र प्रदेश सरकार में राजस्व मंत्री रहे। 1994 से 1999 तक वे आंध्र प्रदेश सरकार में वाणिज्यिक कर, वित्त एवं विधायी मामलों के कैबिनेट मंत्री रहे। 1985 से 1989 तक वे आंध्र प्रदेश सरकार के आबकारी मंत्री (कैबिनेट मंत्री) रहे।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अहमियत समझें नागरिक: सुको

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि नागरिकों को अपनी बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी की कीमत समझनी चाहिए और इसके साथ-साथ स्व-नियंत्रण और संयम का पालन करना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि सोशल मीडिया पर बढ़ती विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर रोक लगाई जानी चाहिए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वह सेंसरशिप की बात नहीं कर रहा है, बल्कि चाहता है कि लोग खुद से जिम्मेदारी निभाएं और अपनी बातों में संयम बरतें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, कोई भी नहीं चाहता कि राज्य (सरकार) इस तरह के मामलों में हस्तक्षेप करे।

मानसून सत्र में पेश होगा राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक : मांडविया

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि लंबे समय से प्रतीक्षित राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक संसद के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा, जो 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। मांडविया ने यह जानकारी उस समय दी, जब वह नशा मुक्ति के खिलाफ युवा कार्य विभाग के एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने यह भी दोहराया कि पाकिस्तान के खिलाड़ियों को भारत में बहुपक्षीय खेल आयोजनों में भाग लेने से नहीं रोका जाएगा। उन्होंने कहा, विधेयक को आगामी सत्र में संसद में पेश किया जाएगा। मैं कुछ दिनों में और जानकारी दूंगा। यह विधेयक देश के खेल प्रशासकों के लिए अधिक

जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम है। इसके तहत एक नियामक बोर्ड का गठन किया जाएगा, जिसे राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को मान्यता देने और उन्हें फंडिंग प्रदान करने का अधिकार होगा। यह सब इस बात पर निर्भर करेगा कि वह सुशासन से जुड़ी शर्तों का कितना पालन करते हैं। यह बोर्ड यह भी सुनिश्चित करेगा कि खेल महासंघ उच्चतम शासन, वित्तीय और नैतिक मानकों का पालन करें। इसके अलावा, इस विधेयक के मसौदे में आचार संहिता आयोग और विवाद निवारण आयोग की स्थापना का भी प्रस्ताव है, ताकि खेलों के संचालन में पारदर्शिता बनी रहे। इस विधेयक पर लंबे समय से बहस चल रही है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने इसका विरोध भी किया है, क्योंकि उसका मानना है कि एक नियामक बोर्ड की स्थापना से उसकी राष्ट्रीय खेल महासंघों के प्रमुख निकाय के रूप में स्थिति कमजोर हो सकती है। मांडविया ने दोहराया कि पाकिस्तान और भारत के बीच राजनीतिक संबंधों में तनाव होने के बावजूद भारत में होने वाले अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में पाकिस्तान की भागीदारी पर कोई रोक नहीं होगी।

आईएसएस से पृथ्वी के लिए रवाना हुए शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, जिन्होंने 18 दिन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर बिताए, अब उनके धरती पर वापसी की यात्रा शुरू हो गई हैं। एक्सिओम-4 मिशन के तहत उनकी वापसी हो रही है। इस कड़ी में आईएसएस से उनका स्पेसक्राफ्ट अनडॉक हो चुका हुआ है। यह मिशन भारत समेत हंगरी और पोलैंड के लिए भी अंतरिक्ष में वापसी का प्रतीक है, क्योंकि इन देशों ने चार दशकों बाद फिर से अंतरिक्ष में भागीदारी की है। शुभांशु शुक्ला और उनकी टीम ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में सवार हैं और अंतरिक्ष स्टेशन से अनडॉकिंग शाम करीब 4:50 बजे (भारतीय समयानुसार) हुआ है।

राहुल ने बिहार की कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर सोमवार को गंभीर चिंता जताई और उन्होंने बिहार को को क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया करार दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर अपनी कुर्सी बचाने में लगे रहने और भाजपा मंत्रियों पर कमीशन खाने के आरोप लगाए है। राहुल गांधी ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव केवल सरकार बदलने के लिए नहीं बल्कि बिहार को बचाने के लिए होंगे।

राहुल गांधी ने एक्स पर बिहार में हुई अपराध की घटनाओं के की स्क्रीनशॉट साझा करते हुए लिखा कि, बिहार बना क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया। हर गली में डर, हर घर में बेचैनी! बेरोजगार युवाओं को हत्यारा बना रहा है गुण्डाराज। सीएम कुर्सी बचा रहे हैं, भाजपा के मंत्री कमीशन कमा रहे हैं।

भाजपा के बंद के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सियासी बवाल चरम पर है। एक ओर जहां भाजपा के 12 घंटे के बंद के दौरान पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। वहीं दूसरी ओर टीएमसी नेताओं की हत्या ने माहौल को और गर्म कर दिया। टीएमसी नेता की हत्या मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

पूर्वी मेदिनीपुर जिले के खेजुरी इलाके में एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने गए सुजीत दास (23) और सुधीर चंद्र पाइक (65) की मौत के विरोध में भाजपा ने 12 घंटे के बंद का आह्वान किया था। इसे लेकर विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि एक स्थानीय टीएमसी नेता सहित सात लोगों ने उन्हें पीट-पीटकर मार डाला। जबकि पुलिस ने कहा कि दोनों की मौत हैलोजन लैंप के लैंपपोस्ट से गलती से उन पर गिरने से हुई और उनकी पिटाई या हथियारों से हमला करने का कोई संकेत नहीं मिला।

विरोध के दौरान भाजपा समर्थकों ने कई घंटों तक पेड़ों के तने रखकर राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया। एक ट्रक समेत कुछ वाहनों में तोड़फोड़ की गई। इसके बाद पुलिस ने अवरोधों को हटा दिया। पुलिस ने सड़क जाम करने के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने विरोध मार्च निकाला और मांग की कि हत्या का मामला दर्ज किया जाए और दोषियों को गिरफ्तार किया जाए। कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस स्थानीय लोगों को परेशान कर रही है और कहा कि बंद जनता के गुस्से को दर्शाता है। खेजुरी के भाजपा विधायक शांतनु प्रमाणिक ने कहा कि बंद को जनता का व्यापक समर्थन मिला और सभी दुकानें बंद रहीं।

उधर, बीरभूम जिले में एक 42 वर्षीय तृणमूल कांग्रेस नेता पीयूष घोष की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि मामले में दो महिलाओं समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना रविवार तड़के कोमारपुर गांव में हुई। बंदूकधारी श्रीनिधिपुर पंचायत अध्यक्ष पीयूष घोष के आवास पर पहुंचे और उन्हें गोली मार दी।

दो नहीं तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप

नई दिल्ली। दिल्ली के तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी स्कूलों को मेल से भेजी गई है। इनमें से एक चाणक्यपुरी और दूसरा द्वारका और तीसरा प्रशांत विहार का है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि तलाशी के दौरान अब तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। जांच की जा रही है।

दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार सुबह दिल्ली के तीन स्कूलों में बम की धमकी मिली, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने कहा कि सुबह करीब 8 बजे पुलिस को प्रशांत विहार और द्वारका सेक्टर 16 स्थित सीआरपीएफ स्कूलों के साथ-साथ चाणक्यपुरी स्थित एक अन्य स्कूल से बम की धमकी के बारे में कॉल आई । आगे कहा कि पुलिस दल तुरंत स्कूल परिसर की जांच के लिए पहुंची। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने कहा कि सोमवार सुबह द्वारका उत्तर थाने को एक पीसीआर कॉल मिली थी।

मुख्यमंत्री ने बाबा महाकाल के चरणों में नमन किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सावन का पहला सोमवार, बाबा महाकाल की सवारी, हम सबका सौभाग्य है। सावन सोमवार की सवारी में बाबा महाकाल अपने भक्तों के हालचाल जानने के लिए साल में एक बार नगर भ्रमण के लिए निकलते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर बाबा महाकाल के श्री चरणों में नमन और वंदन कर अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बाबा की सवारी में लघु मध्यप्रदेश के दर्शन हों, इसके लिए हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि बाबा महाकाल प्रदेश के मंडला, डिंडोरी, बालाघाट, धार, झाबुआ एवं छिंदवाड़ा जिले के जनजातीय भाई-बहनों द्वारा उपयोग में लाए जाने वाले पुरा वाद्य-यंत्रों के साथ ही अपनी यात्रा पर निकलेंगे।

पूर्व सीएम अखिलेश यादव के भाई प्रतीक से मांगी चार करोड़ की रंगदारी

पॉक्सो एक्ट में फंसाने की धमकी दी

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भाई व राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव ने चिनहट के पूर्वांचल सिटी निवासी रियल एस्टेट कारोबारी कृष्णानंद पांडेय, उनकी पत्नी वंदना पांडेय और पिता अशोक पांडेय के खिलाफ गौतमपल्ली थाने में रंगदारी मांगने, धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज कराया है। आरोप है कि आरोपियों ने प्रतीक से कारोबार में निवेश के नाम पर लाखों रुपये ऐंठ लिए। रुपये वापस मांगने पर पॉस्को एक्ट में फंसाने और फेक ऑडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। इतना ही नहीं आरोपियों ने उनसे चार करोड़ की रंगदारी भी मांगी।

सपा संस्थापक मुलायम सिंह की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे प्रतीक यादव मौजूदा समय में विक्रमादित्य मार्ग पर रहते हैं। उनकी पत्नी अपर्णा यादव उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं। पुलिस से की गई शिकायत में प्रतीक ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2011-12 में उनकी मुलाकात कृष्णानंद पांडेय से हुई थी। वह कई बार बिजनेस का प्रस्ताव लेकर आए। करीब दो-तीन साल लगातार मेलजोल बढ़ाने पर कृष्णानंद पांडेय की बातों में आ गया। आरोपी ने खुद को रियल एस्टेट कारोबार से जुड़ा बताया। इसके बाद एक कंपनी 25 मई 2015 को बनाई।

कांवड़ यात्रियों पर हेलीकॉप्टर से फूल बरसाएगी यूपी सरकार

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी कांवड़ यात्रियों से भी अनुरोध किया है कि वे यात्रा के दौरान शांति बनाए रखने में मदद करें। किसी तरह की अव्यवस्था सामने आने पर उन्हें पुलिस अधिकारियों से तुरंत संपर्क करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा है कि सभी शिवभक्त पवित्र नदियों से जल लेकर भोलेनाथ का जलाभिषेक करें और इस दौरान प्रशासन से पूर्ण सहयोग बनाए रखें।

सावन के प्रथम सोमवार से ही शिव भक्त कांवड़ियों ने भगवान शिव को गंगाजल अर्पित करना शुरू कर दिया है। आज हर शिव मंदिर में शिवभक्तों का तांता लगा हुआ है। इसी बीच योगी आदित्यनाथ सरकार ने हर वर्ष की भांति इस बार भी कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से फूल वर्षा करने का निर्णय लिया है। सरकार ने सभी कांवड़ शिविरों में शिव भक्तों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में कांवड़ियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यह पवित्र यात्रा पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुरक्षित और श्रद्धामय वातावरण में सम्पन्न होनी चाहिए। शासन से सुरक्षा संबंधी हर मुद्दे पर पूरी सतर्कता और चौकसी बरतने

के लिए कहा गया है। कांवड़ यात्रा मार्गों पर साफ-सफाई, चिकित्सा, पेयजल, भोजनालय, विश्रामालय और शौचालयों की पूरी व्यवस्था करने के लिए कहा गया है।

कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए संवेदनशील और अति संवेदनशील स्थानों की पहचान कर ऐसे मार्गों की 24 घंटे सीसीटीवी से निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है। इन मार्गों पर यूपी पुलिस ड्रोन कैमरे लगाकर निगरानी रखेगी। कांवड़ यात्रा में विघ्न डालने वालों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए गए हैं। यात्रा मार्गों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से जरूरी सूचनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा और इनके माध्यम से शिव भजनों का प्रसारण भी किया जाएगा।

भाजपा प्रवक्ता एसएन सिंह ने अमर उजाला से कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने जिस तरह कांवड़ यात्रा और कांवड़ियों को लेकर व्यंग्य किया है, उससे यह साफ हो जाता है कि वे हिंदू धर्म और कांवड़ियों का कितना सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि स्वयं को यदुकुल का वंशज बताने वाले अखिलेश यादव का इस तरह कांवड़ियों के विरोध में बोलना दुर्भाग्यपूर्ण है।

एसएन सिंह ने कहा कि कांवड़ियों की आलोचना करने की बजाय अखिलेश यादव को उस छांगुर बाबा के खिलाफ बोलना चाहिए जो एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह स्थापित कर हिंदू युवतियों के धर्मांतरण कराने का कुत्सित कार्य कर रहा है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि अखिलेश यादव ने अब तक छांगुर बाबा के खिलाफ एक भी शब्द नहीं बोला है। उन्होंने कहा कि केवल वोट बैंक के कारण ऐसे हिंदू विरोधियों के खिलाफ बोलते समय अखिलेश यादव के मुंह पर अलीगढ़ का बड़ा ताला लग जाता है।

एक लायसेंस और दो परियोजनाओं के लिए डीजल सप्लाई कर रही कलिंगा

नियम विरूद्ध की जा रही डीजल की सप्लाई और खपत से सरकार को लग रहा करोड़ों का चूना, जांच की मांग

सिंगरौली। एनसीएल में ओवी हटाने के लिए आउटसोर्सिंग कम्पनी कलिंगा को दो परियोजना में टेंडर मिला है। जिनमें एक म.प्र. के झिंगुरदह में और दूसरी उ.प्र. के खड़िया शक्तिनगर में संचालित है। जहां ओबी के कार्य के लिए टेंडर लेने वाली कलिंगा कंपनी नियमों को दरकिनार कर शासन को करोड़ों का चूना लगाने पर तुली हुई है।

सूत्र बताते हैं कि पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन पीईएसओ के तहत खदान क्षेत्रों में आवश्यकताओं के मद्देनजर पेट्रोलियम पदार्थों के संग्रहण की अनुमति दी जाती है। जहां यह अनुमति म.प्र. के झिंगुरदह में कार्य कर रही कलिंगा कंपनी के पास है। लेकिन एनसीएल खड़िया में ओबी का कार्य कर रही कलिंगा ने अभी यह परमीशन नही ली है और वह झिंगुरदह के लायसेंस पर ही डीजल की आपूर्ति और खपत कर रही है। प्रश्न यह उठता है कि आईओसी से डीजल लेकर टैंकर एनसीएल झिंगुरदह परियोजना के लिए चलता है तो वह खड़िया परियोजना में कैसे पहुँचता है,

दूसरी बात जब यहाँ पर भंडारण की व्यवस्था नही है तो यह टैंकर से टैंकर में अनलोड किया जाता है। जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है, लेकिन जिम्मेदार मौन हैं। वहीं सरकार को प्रतिदिन लाखों के राजस्व की क्षति पहुंच रही है। दरअसल यहां खड़िया परियोजना में प्रतिदिन लगभग 40 हजार लीटर डीजल की आवश्यकता होती है और यह डीजल पीईएसओ के नियमों के तहत भंडारण की अनुमति न ले पाने के कारण लोकल मार्केट अर्थात स्थानीय पेट्रोल पंपों से सप्लाई होना है, जो कि निर्धारित लायसेंस कीमत से 5 रूपये ज्यादा है। ऐसे में 40 हजार लीटर प्रतिदिन की खपत के आधार पर 2 लाख रूपए दिन का राजस्व नुकसान उ.प्र. शासन को हो रहा है। इस मामले में अगर जांच कराई जाये तो कलिंगा कंपनी के द्वारा की जा रही लापरवाही का खुलासा होगा। जहां डीजल के नाम पर अब तक करोड़ों रूपए के राजस्व की क्षति शासन को उठाना पड़ा है।

उच्चस्तरीय जांच पर दोनों कंपनियों पर कार्रवाई

सूत्रों का कहना है कि पीईएसओ के नियमों के तहत जहां पेट्रोलियम पदार्थों की उपयोगिता निर्धारित है, उसका उपयोग उसी स्थान पर होना चाहिए। लेकिन एक लायसेंस पर दो स्थानों जो कि अलग-अलग राज्यों में स्थित हैं के लिए होना नियमों की अवहेलना है और ऐसे हालातों में दोनों स्थानों पर कार्यरत कंपनियों के लिए लायसेंस निरस्तीकरण और कार्रवाई का प्रावधान है। कहा जा रहा है कि ऐसे हालातों में शासन-प्रशासन हो रहे राजस्व नुकसान पर कलिंगा खड़िया पर क्या कार्रवाई करता है। यह तो आने वाला समय ही बतायेगा। बहरहाल इस पूरे मामले में चल रहे घालमेल से शासन को लाखों का चूना लग रहा है। जब इस सम्बन्ध में एनसीएल के जन संपर्क अधिकारी रामविजय सिंह से बात की गयी तो उन्होंने कहा कि इस विषय पर कलिंगा के अधिकारी ही बता सकतें हैं।

मुगलसराय से कटता है चालान

बताया जाता है कि वर्तमान में एक लायसेंस के आधार पर दो कंपनियों को की जा रही आपूर्ति में डीजल के लिए चालान मुगलसराय डिपो से जारी होता है। जो कि एनसीएल कलिंगा झिंगुरदह म.प्र. के नाम काटा जाता है। जानकारों का कहना है कि इस लायसेंस का दूरूपयोग कर झिंगुरदह कंपनी कलिंगा खड़िया को डीजल प्रदान कर रही है। इस मामले में डीजल की खपत भी क्रास हो रही है। लेकिन संबंधित विभागीय अधिकारी आंखे बंद किए हुए हैं। सूत्र बताते हैं कि झिंगुरदह परियोजना के लिए लगभग 70 हजार लीटर डीजल उपलब्ध कराये जाने की लिमिट है और दो गाड़ी अर्थात 40 हजार लीटर डीजल की आपूर्ति खड़िया स्थित प्रोजेक्ट पर खर्च हो रहा है। जो जांच का विषय है। बताया जाता है कि खड़िया में डीजल की खपत के लिए परमीशन जिला प्रशासन सोनभद्र से लेना होती है, लेकिन अभी तक कलिंगा कंपनी ने कोई पत्र सोनभद्र प्रशासन को नहीं भेजा है।

लंबित प्रकरणों का समय सीमा के अंदर निराकरण करे: कलेक्टर

जिला एवं विकास में भी ई-ऑफिस के माध्यम से नस्तियों को किया जाये संधारण

सिंगरौली। सीएम हेल्पलाईन समाधान बिंदु, सीएम आवास, सीएम कार्यालय सहित आयोगो से प्राप्त पत्रो का समय सीमा के अंदर निराकरण किया जाना सुनिश्चित किया जाये। साथ ही जिला स्तर के साथ-साथ विकास खण्ड स्तर के कार्यालयों में भी ई-ऑफिस के माध्यम से नस्तियों का संधारण किया जाना सुनिश्चित करे। उक्त आशय का निर्देश समय सीमा के बैठक के दौरान कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के द्वारा विभागीय अधिकारियों को दिया गया। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्प लाईन में लंबित शिकायतों के साथ-साथ समाधान बिंदु तथा सीएम आवास, सीएम कार्यालय सहित विभिन्न आयोगो के प्राप्त होने वाले पत्रो के निराकरण के प्रगति की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिए कि अभी भी शिकायतो का निराकरण शत-प्रतिशत नही किया गया है। इसे गंभीरता से लिया जाये तथा आगामी बैठक में निराकरण की प्रगति की जानकारी भी दिया जाना सुनिश्चित करे। उन्होंने छात्रावासों के साथ-साथ विद्यालय भवनों, आंगनवाड़ी केन्द्रो की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिए कि जर्जर भवनों में छात्रों को नही बैठाये, इसके लिए उचित प्रबंध करे। साथ ही छात्रावासो में रहने वाले छात्राओं की नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराये। साथ ही यह भी कहा कि महिला बाल विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि धात्री एवं गर्भवती महिलाओं का समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराये तथा समय समय पर पोषण आहार भी उपलब्ध करायें। बैठक के दौरान जिपं सीईओ गजेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर पीके सेन गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, एसडीएम सृजन बर्मा, ननि आयुक्त डीके शर्मा, डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिर्की, देवेन्द्र द्विवेदी, नंदन तिवारी सहित जिलाधिकारी मौजूद रहे।

हर-हर महादेव के उद्घोष से गूंजे शिवालय, भक्तो ने टेका माथा

प्रथम सोमवार को मंदिरों में उमड़ी भक्तो की भीड़

सिंगरौली । श्रावण मास के प्रथम सोमवार के उपलक्ष्य में शिवधाम मंदिर बैढ़न में मंदिर के महाप्रबंधक ज्योतिषविद् पं. डॉ. एनपी मिश्र के सानिध्य में अनेकानेक भक्तजनों द्वारा भूतभावन भोलेनाथ महामृत्युंजय भगवान की पूजा अर्चना एवं कई भक्तों द्वारा सामूहिक रूप से रुद्राभिषेक कर पुण्य लाभ प्राप्त किया गया। शाम महिला भक्तजनों द्वारा भजन कीर्तन किया गया। ज्योतिषविद् पं. डॉ. एनपी मिश्र के अनुसार श्रावण मास में गगन से झरते अमृत तुल्य

जलकणों के संग-संग धरती पर शिव भक्ति की पावन धारा भी प्रवाहित होती है। यह मास स्वयं में भगवान शिव के करुणामय, सौम्य और वात्सल्य से परिपूर्ण स्वरूप को सजीव कर देता है। श्रावण के सोमवार, शिव आराधना के अमूल्य रत्न हैं, जिन पर श्रद्धा का दीप प्रज्वलित कर व्यक्ति अपने जीवन की समस्त बाधाओं से मुक्ति का पथ प्रशस्त करता है।

ज्योतिषविद् पं. डॉ. एनपी मिश्र महाप्रबंधक शिवधाम मंदिर बैढ़न ने बताया पौराणिक आख्यानों में वर्णित है कि जब समुद्र मंथन में महाविष प्रकट हुआ, तब समस्त संसार को उससे उत्पन्न विनाश से बचाने के लिए भगवान शिव ने उस विष का पान कर लिया और उसका प्रभाव उनके कंठ में स्थिर हो गया।

दिशा समिति के अध्यक्ष होंगे सांसद

सिंगरौली। भारत सरकार द्वारा जिला स्तरीय समिति जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति का गठन किया गया है। जिसके तहत समिति की अध्यक्षता सीधी-सिंगरौली सांसद डॉ. राजेश मिश्र करेंगे तथा कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला समिति के सदस्य सचिव होंगे। भारत सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश के तहत समिति में सदस्य के रूप में सुरेन्द्र प्रताप सिंह वैश्य, लालजी शाह , मोतीलाल प्रजापति व मधु झा, विद्यासागर तिवारी, सुनीता साकेत, मेघनाथ वैश्य, बाबूराम जायसवाल, दुलमंती सिंह का सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है।

भास्कर मिश्रा के गिरफ्तारी के बाद सीएसपी सवालों के लपेटे में

चौतरफा शुरू है विरोध, स्कूल एवं कोचिंग के बयान को लेकर आमजन उठा रहे सवाल

सिंगरौली। कांग्रेस नेता भास्कर मिश्रा की गिरफ्तारी के बाद सीएसपी विंध्यनगर निशाने पर आ गये हैं। आम से लेकर खास तक इस कार्रवाई की चारो तरफ भर्त्सना हो रही है। वही अब दबी जुबान में सत्ता पक्ष के लोग भी उक्त कार्रवाई को अनुचित ठहराते हुये सीएसपी पर ही सवाल खड़े कर रहे हैं।

गौरतलब है कि कांग्रेस नेता भास्कर मिश्रा ने पिछले 20 दिनों से सड़क हादसे को लेकर चिंता जाहिर करते हुये समस्या के समाधान के लिए परसौना में 13 जुलाई को चक्काजाम आंदोलन करने का ऐलान किया था और कहा था कि कोल वाहनों को ही रोका जाएगा। यात्रिबसों के साथ कोई रोक-टोक नही होगा। बीते दिन कल सुबह कांग्रेस नेता भास्कर मिश्रा जैसे ही परसौना तिराहा पर अपने समर्थको के साथ पहुंचे, तभी पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर ली। इनकी गिरफ्तारी के बाद सोशल मीडिया में जहां तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं। साथ ही विपक्षी दल के कई नेता व आम खास भी भास्कर मिश्रा के समर्थन में लोग सड़क पर उतर आये और सीएसपी पीएस परस्ते का विरोध शुरू हो गया। इधर न्यायालय के द्वारा भास्क र मिश्रा को जेल भेज दिया गया। हालांकि आज दिन सोमवार को भास्कर मिश्रा एवं उनके आधा दर्जन साथियों को जमानत मिल गई। लेकिन भास्कर मिश्रा के गिरफ्तारी को लेकर चारो तरफ विरोध के स्वर गूंजने लगे। आलम यह है कि अब यही चर्चा है कि विंध्यनगर सीएसपी ने जल्दवाजी में या आत्मविश्वास के चलते कदम उठाया या फिर विपक्षी दलों को बैठे-बैठाऐ प्रदेश सरकार को घेरने का एक अच्छा मौका दे दिया और बीते दिन कल से ही लगातार विपक्षी दल कोतवाली पुलिस एवं सीएसपी तथा प्रदेश सरकार पर सोशल मीडिया के माध्यम से तरह-तरह के बातों को जिक्र कर रहे हैं। कुछ लोग यहां तक कह रहे हैं कि पुलिस अधिकारियों के ना समझी एवं नादानी का परिणाम है कि प्रदेश सरकार की ऊर्जाधानी में चारो तरफ किरकिरी हो रही है। कहा जा रहा है कि चक्काजाम सिंगरौली में आम बात है। भास्कर मिश्रा एवं उनके समर्थक परसौना में चक्काजाम कर रहे थे तो इसमें जनहितार्थ से ताल्लुकात था। भास्कर मिश्रा का व्यक्तिगत कुछ भी नही शामिल था। लेकिन पुलिस अधिकारियों ने भास्कर मिश्रा एवं उनके समर्थको को सरकार को घेरने के लिए अवसर दे दिया। साथ ही सीएसपी का स्कूलो वाला बयान भी लोगों के गले से बात नही उतर रही है। प्रबुद्ध लोग यही कह रहे हैं कि सीएसपी के बयान का भी जांच होनी चाहिए कि आखिरकार सण्डे को कौन सी विद्यालय व कोचिंग सेंटर संचालित रहती हैं। सोशल मीडिया में लोगबाग सीएसपी से उन कोचिंग सेंटर एवं विद्यालयों का नाम भी पूछ रहे हैं। फिलहाल भास्कर मिश्रा पर पुलिसिया कार्रवाई से भाजपा सरकार की किरकिरी हो रही है। साथ ही भाजपा के कुछ नेता भी मान रहे हैं कि सीएसपी के लिए नादानी सरकार के लिए भारी पड़ रहा है।

ईव्हीएम मशीनो का प्रथम रेण्डमाईजेशन आयोजित

सिंगरौली। जनपद पंचायत क्षेत्रांतर्गत एवं चितरंगी जनपद पंचायत अंतर्गत अकस्मिक रूप से रिक्त हुये सरपंच पद के उप निर्वाचन के लिए लगने वाली ईव्हीएम मशीनो का प्रथम रेण्डमाईजेशन कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला एवं अभ्यार्थियों तथा उनके प्रतिनिधियों के उपस्थित में ईव्हीएम मशीनों के प्रथम रेण्डमाईजेशन का कार्य पूर्ण किया गया।

चितरंगी क्षेत्र की बिजली व्यवस्था चरमराई, उपभोक्ता परेशान

पिछले चार दिनों से घंटो रहती है बिजली गुल, पावर का ट्रांसफार्मर खराब

सिंगरौली। विद्युत सब स्टेशन के पावर सप्लाई ट्रांसफार्मर पिछले चार दिनों से खराब होने के कारण विद्युत आपूर्ति व्यवस्था चरमरा गई है। आलम यह है कि उपभोक्ताओं एवं लो वोल्टेज एवं अघोषित कटौती का सामना करना पड़ रहा है।

दरअसल जानकारी के मुताबिक विद्युत वितरण केन्द्र चितरंगी का मुख्य ट्रांसफार्मर पिछले चार दिनों से खराब हो गया है। जिसके चलते लो वोल्टेज

और हर आधे-एक घंटे में बिजली गुल हो रही है। इस समस्या से उपभोक्ता काफी परेशान हैं। बीती रात चितरंगी शहर अंधेरे में डूबा रहा। वही बिजली सप्लाई कर्थुआ सब स्टेशन से अस्थाई रूप से सप्लाई की जा रही है, लेकिन वह नाकाफी है और लोग वोल्टेज की समस्या निर्मित है। करीब एक सैकड़ा गांव इन दिनों बिजली की समस्या से जूझ रहे हैं। चर्चा है कि हैवी ट्रांसफार्मर सतना में भी नही है। हालांकि कार्यपालन अभियंता एमपीईबी ग्रामीण के द्वारा नये ट्रांसफार्मरों के लिए प्रस्ताव भेजा है।

इनका कहना

ट्रांसफार्मर खराब है। नये ट्रांसफार्मर के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। वैकल्पिक व्यवस्था कर्थुआ सब स्टेशन से की गई है।

ओपी द्विवेदी
कार्यपालन अभियंता, एमपीईबी, बैढ़न ग्रामीण

दिव्यांग जनो के लिए शिविर का आयोजन आज

सिंगरौली

दिव्यांग जनो के लिए विशेष शिविरो का आयोजन 15 जुलाई से तीनों जनपद क्षेत्रांतर्गत आयोजित किए जायेंगे। जिसमें जॉच उपरांत दिव्यांगो के लिए कृतिम अंग एवं वृद्धजन के लिए उपकरण चिन्हांकन किया जायेगा। जिसके तहत जनपद पंचायत देवसर क्षेत्रांतर्गत के नगर परिषद सरई के गॉधी वार्ड एवं ग्राम पंचायत बागाडीह में शिविर का आयोजन होगा। वही चितरंगी क्षेत्रांतर्गत के ग्राम पंचायत गोपला में बैढ़न जनपद पंचायत क्षेत्रांतर्गत के ग्राम पंचायत जमगड़ी में शिविर का आयोजन होगा। शिविर का आयोजन प्रातः 11 बजे से शाम 6 बजे तक किया जायेगा।

ऊर्जांचल विस्थापित कल्याण समिति की साप्ताहिक योजना बैठक आयोजित

एनटीपीसी तृतीय चरण विस्तार योजना के साथ पुनर्वास कॉलोनियों का हो विकास

सिंगरौली। एनटीपीसी तृतीय चरण विस्तार परियोजना के अंतर्गत परियोजना में 800 मेगावाट की दो सुपर क्रिटिकल यूनिट का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है।

ऐसे में परियोजना के विस्थापित परिवारों में पुनर्वास कॉलोनियों के विकास मूलभूत सुविधाओं की आस जगी है। सीएसआर के तहत पुनर्वास बस्तियों में परियोजना द्वारा मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है। उक्त विचार विस्थापित संगठन के उपाध्यक्ष जंग बहादुर चौबे एवं रामकरण चौबे ने द्वारा संयुक्त रूप से अवगत कराया गया कि पुनर्वास गांव में मूलभूत सुविधा विस्थापित परिवार को रोजगार एवं शिक्षा चिकित्सा प्रदूषण मुक्ति पर योजना के साथ कार्य कराए जाने की आवश्यकता है। विस्थापित बेरोजगारों को विस्तार योजना में रोजगार में समायोजन करने की आवश्यकता है। साप्ताहिक योजना बैठक में प्रमुख रूप से रामकरण चौबे, जंग बहादुर चौबे, शैलेंद्र चौबे, अशोक पाण्डेय, बृज बिहारी यादव, नंदलाल भारती, चिंतामणि जायसवाल, योगेंद्र सिंह, अमरकेश पाण्डेय, पंकज शुक्ला, गणेश मिश्रा प्रमुख रूप से मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष हेमंत मिश्र द्वारा किया गया।

कुशल का टोटा, अकुशल श्रमिकों के लिए दबाव

नेताओं ने प्रबंधन की नीतियों को बताया जिम्मेदार

सिंगरौली। कोयला क्षेत्र में हजारों-करोड़ का कार्य कर रही निजी कंपनियां कुशल श्रमिकों की कमी से जूझ रही हैं। दूसरी तरफ नेता अकुशल कामगारों को नियोजित करने का दबाव बना रहे हैं। इससे कंपनियों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है।

यूपी-एमपी के सीमावर्ती क्षेत्र में एनसीएल की 10 खदानों से कोयला उत्पादन होता है। कोयला निकासी के निमित्त पहाड़ों का मलबा ओवर बर्डन हटाने के लिए आउटसोर्स की मदद ली जा रही है। इसके पीछे मकसद मांग मुताबिक कोयला उत्पादन करना है। आउटसोर्सिंग कंपनियों में कई हजार श्रमिक नियोजित हैं। रोजगार के लिहाज से कंपनियां बेरोजगार युवाओं के लिए बड़ी मददगार बनी हैं, लेकिन टकराव कुशल व अकुशल श्रमिकों को लेकर है। खनन कार्य पूरी तरह मशीनीकृत है। ऐसे में डंपर, डोजर, ग्रेंडर सहित अन्य इक्यूपमेंट के प्रचालन के लिए कुशल कामगारों की जरूरत बढ़ गई है। कंपनियों के नुमाइंदों का कहना है कि कुशल कर्मियों के अनुपात में ही अकुशल श्रमिकों को नियोजित किया जा सकता है। मशीनीकृत युग में अकुशल की यह संख्या बेहद कम है। इस मसले को समझने के बजाए स्थानीय लोग नेताओं के जरिए अकुशल श्रमिकों के नियोजन के लिए दबाव बनाते हैं और इसका खामियाजा कंपनियों को आंदोलन प्रदर्शन, फर्जी मुकदमें के रूप में झेलना पड़ता है। बेवजह के इन विवादों से लक्ष्य निर्धारित कार्य प्रभावित हो रहा है। हाल के दिनों में एनसीएल बीना व खड़िया कोयला क्षेत्रों में आंदोलनों के चलते कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। इसके ठीक विपरित नेता कोल प्रबंधन की नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हैं। उनका कहना है कि प्रोजेक्ट प्रभावित परिवारों व विस्थापित सदस्यों के रोजगार के लिए कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई। इसी के चलते टकराव की स्थिति पैदा हो रही है।

इनका कहना

एनसीएल और कंपनी दोनों के द्वारा युवाओं को टेक्निकल ट्रेनिंग कराना चाहिए। इससे विस्थापित और प्रभावित परिवारों को रोजगार मिल सकता है।

राजन भारती, महाप्रबंधक
विस्थापित युवा कल्याण समिति

सन 1960 से विस्थापन का दंस झेल रहे विस्थापितों के लिए आज तक सरकार और कोल प्रबंधन ने कोई ठोस नीति नहीं बना पाई। एनआईटी में भी स्पष्टता का आभाव है। सरकार और कोल इंडिया को चाहिए की अकुशल, अर्धकुशल में 80 फीसदी विस्थापितों की भागीदारी सुनिश्चित करे।

अरविंद दुबे
विस्थापित नेता

इनका कहना

एनसीएल कौशल विकास व भारत सरकार की संकल्प योजना के तहत स्थानीय युवाओं को खनन क्षेत्र की जरूरत मुताबिक प्रशिक्षण देने का कार्य कर रही है। आवश्यकता अनुसार इसका दायरा बढ़ाया जाएगा।

राम विजय सिंह
प्रवक्ता, एनसीएल

शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी : कलेक्टर

सीधी

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में चयनित विषयों से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि सीएम हेल्पलाइन की नियमित समीक्षा करें तथा प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित कर शिकायतों को निराकृत करायें। कोई भी शिकायत नॉन अटेण्डेड नहीं रहे और निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों की संख्या न्यूनतम रहे। उन्होंने कहा कि जून-25 की शिकायतों के निराकरण में सभी विभाग ए-ग्रेड के लिए प्रयास करेंगे। शिकायतकर्ता से संपर्क कर उनकी वैध समस्याओं का तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर ने हितग्राही मूलक योजनाओं तथा भुगतान लंबित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण में उदासीनता या लापरवाही बरतने वाले एल1 तथा एल2 अधिकारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी।

कलेक्टर ने वर्षा के दृष्टिगत जिले में सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। बाढ़ आपदा राहत के लिए सभी संबंधित दी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी मुस्तैदी से करेंगे। नगरीय क्षेत्रों में जहाँ भी जल भराव की स्थिति हो विशेष सफाई कर जल निकासी सुनिश्चित करें। सभी बसाहटों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने सभी पुल-पुलियों की जांच कर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में अपर कलेक्टर अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल प्रिया पाठक, मझौली आरपी त्रिपाठी, डिप्टी कलेक्टर एसपी मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

फसल की सुरक्षा के लिये खेत पर तार-फेंसिंग लगाने का आधा खर्च सरकार वहन करेगी

सीधी। फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए खेतों पर तार-फेंसिंग लगाने का आधा खर्चा राज्य सरकार वहन करेगी। अब राष्ट्रीय बागवानी एकीकृत विकास कार्यक्रम के तहत उद्यानकी फसल उगाने वाले कृषक अपने खेत के चारो ओर 5 तार व खम्बे की फेंसिंग लगवा सकते हैं। उद्यानकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा इच्छुक किसानों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गए हैं। विभाग द्वारा जिलेवार लक्ष्य निर्धारित किया जा चुका है। आयुक्त उद्यानकी के अनुसार उद्यानकी फसलों में सब्जी, फल, फूल एवं मसालों की फसलों को जंगली जानवरों द्वारा क्षति पहुंचाई जाती है। इससे बचाव के लिये यह योजना लागू की गई है। विभाग द्वारा किसानों को तार-फेंसिंग लगाने में आने वाला खर्च का आधा (50 प्रतिशत) अनुदान प्रदान किया जाएगा। तार-फेंसिंग लगाने का खर्चा 300 रुपये प्रति रनिंग मीटर आता है, यानि एक हजार रनिंग मीटर का खर्चा तीन लाख रुपये है।

म.प्र. शासन की अनूठी योजना

सुपर 100 योजना : सुरक्षित भविष्य के साथ शिक्षा

शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय भोपाल और मल्हार आश्रम इंदौर में कक्षा 11वीं में प्रवेश का सुनहरा अवसर

मध्य प्रदेश राज्य ओपन बोर्ड की वेबसाइट से विद्यार्थी कर सकते है पंजीयन, अंतिम तिथि 20 जुलाई

सीधी। एपीसी रमसा डॉ सुजीत कुमार मिश्र ने जानकारी दे कर बताया कि सुपर 100 योजना अंतर्गत प्रदेश के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को चयनित कर उन्हे शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय शिवाजी नगर भोपाल एवं शासकीय मल्हार आश्रम उ.मा.वि. इंदौर में कक्षा 11वीं में प्रवेश दिलाया जाता है। यहाँ उन्हे कक्षा 11वीं एवं बाद में कक्षा 12वीं के शिक्षण के साथ ही जेईई (इंजीनियरिंग) नीट (मेडिकल) एवं क्लैट हेतु आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये 02 वर्षीय कोचिंग कराई जाती है। प्रवेश उपरांत इन विद्यार्थियों के सम्बंधित विद्यालय के छात्रावास में आवास भोजन शिक्षण एवं कोचिंग की नि:शुल्क व्यवस्था शासन द्वारा की जाती है। मध्य प्रदेश राज्य ओपन बोर्ड की वेबसाइट से विद्यार्थी पंजीयन कर सकते है। पंजीयन की अंतिम तिथि 20 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है।

पात्रता

प्रदेश के शासकीय विद्यालयों के मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित 10वीं बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थी पात्र होंगे। नि:शुल्क छात्रावास सुविधा प्रख्यात व्यवसायिक संस्थाओं में प्रवेश हेतु बेहतर शिक्षण व्यवस्था पृथक-पृथक प्रयोगशालायें स्मार्ट एवं वर्चुअल क्लासेस शिक्षण हेतु चयनित स्टाफ अन्य पाठ्येत्तर गतिविधि।

कहा कितनी शीट है

इस योजनान्तर्गत कुल 356 विद्यार्थी अध्ययन करेंगे जिनमें गणित में 127 जीव विज्ञान में 127 एवं कामर्स में 102 सीट है। शास. सुभाष उत्कृष्ट उ.मा.वि. भोपाल में गणित विषय की 76 सीट जीव विज्ञान विषय की 76 सीट और 51 कामर्स की सीट है। जबकि शासकीय मल्हार आश्रम उ.मा. विद्यालय इन्दौर में गणित विषय की 51 सीट जीव विज्ञान विषय की 51 सीट और 51 कामर्स की सीट है।

डीईओ ने लिखा प्राचार्यो को पत्र

जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह ने प्राचार्यों को पत्र लिख कर वर्ष 2025-26 प्रवेश परीक्षा के आयोजन के पूर्व सुपर 100 योजना के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराने और इस योजना के बारे में जानकारी देने का निर्देश जारी किया है ताकि अधिक से अधिक छात्रों को इस योजना का लाभ प्राप्त हो सके।

जिला अधिवक्ता संघ सीधी मे नाम निर्देशन पत्र हुये दाखिल

सीधी। जिला अधिवक्ता संघ सीधी के पदाधिकारियो और कार्यकारिणी सदस्यो के नवीन चुनाव वर्ष 2025-2027 के लिये दिनांक 14 जुलाई समय 12.00 बजे से 4.00 बजे तक नाम निर्देशन पत्र विभिन्न पदो के लिये कुल 17 अभ्यार्थियो ने नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया गया। अध्यक्ष पद के लिये वर्तमान अध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह बघेल, अरविन्द शुक्ला, शत्रुधन तिवारी, महेन्द्र सिंह चैहान इसी तरह से उपाध्यक्ष पद के लिये अनिल कुमार द्विवेदी, श्रीमती स्नेहलता तिवारी, सचिव पद के लिये रवीन्द्र गौतम, जयप्रताप सिंह चैहान कोषाध्यक्ष पद के लिये रोहिणी प्रसाद पटेल, पुस्तकाध्यक्ष पद के लिये रमेश चन्द्र श्रीवास्ताव, भरत भूषण परासर नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया कुल 11 अभ्यर्थियो नाम निर्देशन पत्र भरने की अन्तिम तारीख 15 जुलाई को समय 12.00 बजे से 4.00 बजे तक पूर्व से नियत है। नाम निर्देशन पत्रो की जांच दिनांक 17 जुलाई को स्कुटनी होगी अवश्यकता पडने पर मतदान दिनांक 30 जुलाई को सुबह 10.00 बजे से 5.00 बजे तक मतदान किया जायेगा दिनांक 31 जुलाई 2025 को मतपत्रो की गिनती की जायेगी चुनाव सम्बन्धी कार्यवाही न्यायालय पर्यवेक्षक शैलेन्द्र वर्मा सदस्य राज्य अधिवक्ता परिषद जबलपुर की निगरानी मे सम्पन्न किया जा रहा है।

मां बनने की उम्र वही जब तन और मन सही

जनसंख्या स्थिरता माह के अंतर्गत परिवार कल्याण के साधनो के लिए प्रेरित किया जाएगा

सीधी

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बबिता खरे ने बताया कि प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर 11 जुलाई से 11 अगस्त तक जनसंख्या स्थिरता माह मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणामों से अवगत कराना है। जनसंख्या नियंत्रित करने के लिए शासन द्वारा अनेक प्रकार के परिवार कल्याण कार्यक्रम एवं योजनाओं को संचालित किया जा रहा है। जनसंख्या स्थिरता माह मनाने के लिए इस वर्ष का का नारा ष्मां बनने की उम्र वही जब तन और मन की तैयारी सहीष् दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि परिवार कल्याण यूनिवर्सल हेल्थ केयर प्राप्त करने हेतु एक महत्वपूर्ण कड़ी है। परिवार कल्याण की जानकारी न होने से अवांछित गर्भधारण में वृद्धि के कारण मातृ मृत्यु दर, स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं एवं नवजात के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ता है। परिवार नियोजन की सेवाएं मुख्य रूप से आधुनिक, लघु कालीन और दीर्घकालिक गर्भनिरोधकों, स्थाई परिवार नियोजन साधनों और सूचना परामर्श सेवाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करती है।

जनसंख्या स्थिरता माह के दौरान जनसमुदाय में जागरूकता बढ़ाने, नवाचारों के माध्यम से परिवार नियोजन के महत्व पर व्यापक प्रचार-प्रसार व सेवा प्रदायगी की गतिविधियों को समुदाय स्तर पर सीएचओ, एएनएम, आशा द्वारा आयोजित किया जा रहा है। परिवार कल्याण कार्यक्रम को सार्थक बनाने के लिए मैदानी कार्यकर्ताओं द्वारा व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से सभी चिन्हित लक्ष्य दंपतियों को प्रेरित करने का कार्य किया जाएगा। ताकि परिवार नियोजन के साधनों के विषय में जानकारी हो जाने से योग्य दंपति अपने पसंद का साधन का उपयोग कर सके।

जनसंख्या नियंत्रण के लिए शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ देने के लिए महिलाओं के साथ स्वास्थ्य चर्चा, परामर्श सत्र, उचित साधन अपनाने की सलाह जैसे नवाचारों के माध्यम से समुदाय में परिवार नियोजन की सेवाओं के लिए हितग्राहियों को चिन्हांकित किया जाएगा।

ग्राम न्यायालय पनवार में किया गया विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

सीधी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री मुकेश कुमार शिवहरे, श्री सोनू जैन न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक द्वारा दिनांक 14 जुलाई 2025 विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन ग्राम न्यायालय पनवार में आयोजित किया गया। उक्त जागरूकता शिविर में श्री शिवहरे ने उपस्थित को जानकारी देते हुये नालसा एवं सालसा द्वारा संचालित योजनाओं का क्रियान्वयन कराये जाने हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने पर बल दिया गया। साथ ही निर्बल, जरूरतमंद व्यक्तियों को नि:शुल्क विधिक सलाह एवं सहायता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से उपलब्ध कराये जाने हेतु कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये।

उक्त विधिक जागरूकता शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के सचिव श्री मुकेश कुमार शिहवेर, श्री सोनू जैन न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जिले में औसत वर्षा 564.1 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा सिहावल में

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 14 जुलाई को सीधी जिले में 10.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 0.0 मि.मी., चुरहट में 0.0 मि.मी., गोपद बनास में 0.0 मि.मी., सिहावल में 27.0 मि.मी., बहरी में 43.8 मि.मी., मझौली में 0.0 मि.मी. और कुसमी में 0.0 मि.मी. वर्षा हुई है।

उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 564.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 14 जुलाई तक तहसील सिहावल में सर्वाधिक वर्षा 691.6 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 454.0, चुरहट में 495.0, गोपद बनास में 496.8, बहरी में 632.5 मझौली में 642.0 मि.मी. और कुसमी में 537.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 200.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 364.0 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

जीपीएफ खाता धारकों के लिए वर्ष 2024-25 के वार्षिक लेखा विवरण ऑनलाइन उपलब्ध होगी

जीपीएफ स्टेटमेंट, वेबसाइट पर अपलोड, शिकायत निवारण की भी सुविधा

सीधी। महालेखाकार कार्यालय (लेखा एवं हकदारी)-द्वितीय, मध्यप्रदेश, ग्वालियर द्वारा राज्य के शासकीय सेवकों के सामान्य भविष्य निधि खातों के वर्ष 2024-25 के वार्षिक लेखा विवरण को अब ऑनलाइन उपलब्ध है।

अधिकारी एवं कर्मचारी अब अपना ळन्थ् स्टेटमेंट कार्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपनी सीरीज, खाता क्रमांक तथा पासवर्ड दर्ज कर सीधे डाउनलोड कर सकते हैं। यह व्यवस्था न केवल पारदर्शिता बढ़ाएगी, बल्कि समय की भी बचत करेगी।

जीपीएफ विवरण में यदि किसी भी प्रकार की विसंगति या त्रुटि पाई जाती है, तो अभिदाता ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली के माध्यम से शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए वेबसाइट पर जाकर संबंधित जानकारी और दस्तावेज अपलोड किए जा सकते हैं।

शिकायतों का निराकरण एक माह के भीतर महालेखाकार की निगरानी में किया जाएगा। शिकायत दर्ज करने के लिए कर्मचारी दूरभाष नंबर 0751-2432457 या व्हाट्सएप नंबर 8827409410 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

श्रावण माह के प्रथम सोमवार को विराट शिव मंदिर में अपनी आस्था अर्पित करने पहुंचे श्रद्धालु

शहडोल। सावन का पवित्र महीना शुरू हो चुका है, और भगवान शिव की भक्ति में डूबी विराट नगरी शिवमय हो उठी है। सावन का पहला सोमवार, जो भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है, विराट शिव मंदिर में आस्था का अनुपम संगम देखने को मिला। बाबा के दर्शन और जलाभिषेक के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। विराट नगर की गलियों में 'बोल बम' के जयकारों की गूंज और भक्ति की लहर ने हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सावन का पहला सोमवार जिला मुख्यालय शहडोल के कल्चुरी कालीन विराट शिव मंदिर में भक्ति और उत्साह का संगम लेकर आया। श्रद्धालु भोले नाथ बाबा के चरणों में अपनी आस्था अर्पित करने पहुंचे।

विराट शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ शिवलिंग के रूप में विराजमान हैं। इस मंदिर की स्थापना 11 वीं शताब्दी में कल्चुरीकाल के राजा युवराज देव प्रथम ने कराई थी।

यह मंदिर चंदेल शासकों के खजुराहो मंदिरों से मिलता-जुलता है। मंदिर की लंबाई 46 फीट और ऊंचाई 72 फीट है। मंदिर के बाहर नंदी विराजमान हैं। मंदिर की दीवारों पर बाहर की ओर जो प्रतिमाएं पत्थरों पर नक्काशी कर बनाई गई हैं, वे खजुराहो की तरह हैं।

जिला मुख्यालय के दुर्गा मंदिर, रेल्वे स्टेशन मार्ग में स्थापित भोलनाथ के मंदिरों सहित अन्य शिव मंदिरों में भी भक्तों की भीड़ उमड़ी, हर गली, हर मंदिर 'हर हर महादेव' के उद्घोष से गूंजा।

संस्कार भारती द्वारा गुरू पूर्णिमा पर किया गया 108 कला साधकों का सम्मान

सीधी। संस्कार भारती सीधी द्वारा स्थानीय रोली मेमोरियल सभागार में 'गुरू पूर्णिमा महोत्सव' का आयोजना किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि सीधी विधायक रीती पाठक रहीं। जबकि अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाजसेवी चन्द्रमोहन गुप्त ने किया। इस अवसर प्रमुख वक्ता डॉ0 लहरी सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघचालक पुष्पराज सिंह परिहार एवं सेवा निवृत्त प्राध्यापक डॉ0 रामलला शर्मा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्जवलन कर नटराज का पूजन किया गया। कार्यक्रम में गुरू वंदना एवं गीता और भागवत महापुराण के श्लोकों का सस्वर पाठ किया गया। मुख्य अतिथि सहित सभी वक्ताओं ने 'भारत की गुरू शिष्य परम्परा' पर अपने विचार व्यक्त किये। सृजन मिश्र एवं साथियों ने 'ध्येय गीत' प्रस्तुत किया।

गुरू पूर्णिमा के उपलक्ष्य में सीधी जिले के विविध विधाओं के 108 कला साधकों का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। इनमें से कला और साहित्य के क्षेत्र में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर उल्लेखनीय योगदान के लिये डॉ0 लहरी सिंह (साहित्य), डॉ0 श्रीनिवास शुक्ल 'सरस' (बघेली साहित्य), पं0 भागवत प्रसाद पाठक (मानस मर्मज्ञ), प्रसन्न सोनी (नाट्य मंचन), रोशनी प्रसाद मिश्र (नाट्य मंचन), फणीन्द्र शेखर पाण्डेय (संगीत), योगेश्वर तिवारी (संगीत), श्रीकान्त सिंह (मूर्तिकार), आशुतोष गुप्त (योग प्रचार-प्रसार) अरविंद पटेल (लोककला) को मुख्य अतिथि अतिथि द्वारा विशिष्ट सम्मान से सम्मानित किया गया।

समारोह में श्रेष्ठ रामलीला मंचन के लिये रमागोविंद सिंह 'पप्पू व्यास जी', वायलिन वादक भूपेन्द्र पाण्डेय, संगीत विधा के अवतार कृष्ण, विनोद तिवारी, महेन्द्र प्रताप सिंह, अमित प्रधान, राजेश गुप्ता, रवि तिवारी, अजीता द्विवेदी, प्रतिमा सिंह, शशिभा गौतम, श्यामा सिंह, नृत्य विधा से नीलम तिवारी, अंकिता सेन, भक्ति संगीत में उमा प्रसाद शर्मा, प्रतीक सिंह, अमित मिश्रा को सम्मानित किया गया। योग के क्षेत्र में आराधना सिंह एवं रंगोली के लिये साक्षी सिंह को सम्मानित किया गया। नवोदित कलाकारों में सृजन मिश्र, दृष्टि तिवारी, अंशुमान मिश्र, सत्यमधर, मानसी तिवारी, दिव्या द्विवेदी, अनुष्का शुक्ला, शुभी सिंह एवं श्रुति सिंह को सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय और राज्य स्तर के नवोदित कला साधकों में आदर्श मिश्रा, गुंजन पाण्डेय, सुहानी पाठक सहित गणेश विद्यालय अमहा एवं पड़रा के प्रतिभावान कलाकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन एवं वंदेमातरम से हुआ। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिकों सहित संस्कार भारती सीधी के अध्यक्ष हीरालाल सिंह चंदेल, महामंत्री राजेश सिंह गहरवार, सह महामंत्री अंकित सिंह चौहान, मातृशक्ति प्रमुख गायत्री गुप्ता, विभाग संयोजक सुभाष चन्द्र मिश्र, कार्यक्रम संयोजक श्रवण कुमार मिश्रा, कार्यक्रम सह संयोजक डॉ0 हरिविलास गुप्ता एवं अभिमन्यु सिंह की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

संपादकीय

नया कानून क्यों

महाराष्ट्र विधानसभा में स्पेशल पब्लिक सिक्यॉरिटी बिल ध्वनिमत से पास हुआ। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने राज्य में कानून-व्यवस्था की मजबूती के लिए इसे जरूरी बताया है। लेकिन इस बिल से जुड़े कुछ सवाल हैं, जिनके जवाब मिलने चाहिए। विपक्ष ने भी जो आशंकाएं जाहिर की हैं, उन्हें यह कहकर खारिज नहीं किया जा सकता कि विपक्ष तो विरोध करेगा ही। सीएम फडणवीस ने कहा है कि यह बिल 'अर्बन नक्सलियों' के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को लाया गया है। नक्सलवाद की समस्या से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन महाराष्ट्र सरकार जिस 'अर्बन नक्सल' की बात कह रही है, उसकी कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं बताई जा रही। यह शब्द पिछले दशक से चलन में आया है। लेकिन, इसकी स्पष्ट व्याख्या की जरूरत है, ताकि इस शब्द की आड़ में वैचारिक विरोध और असहमति की आवाज को न दबाया जा सके। विपक्ष को भी मुख्य एतराज इसी बात पर है कि बिल में लेफ्ट विंग उग्रवादी विचारधारा की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। हालांकि सीएम भरोसा दे रहे हैं कि नए कानून का उपयोग राजनीतिक प्रदर्शनकारियों और कार्यकर्ताओं के खिलाफ नहीं किया जाएगा। उन्होंने यही बात लेफ्ट पार्टियों के लिए भी कही, लेकिन इतना काफी नहीं है। किसी भी कानून में सबसे अहम है प्रावधानों की स्पष्टता, ताकि उसे लागू करने में किसी तरह की परेशानी न आए। हालांकि महाराष्ट्र इस तरह के कानून लाने वाला कोई पहला राज्य नहीं है। इससे पहले चार अन्य राज्यों में ऐसा कानून लाया जा चुका है। लेकिन इससे यह सवाल समाप्त नहीं हो जाता कि आखिर ऐसा कानून लाने की क्या जरूरत आन पड़ी है। देश में नक्सलवाद की समस्या, सरकार के ही दावों के मुताबिक, अब अपनी आखिरी सांसें गिन रही है। देश में नक्सल प्रभावित जिलों की जो संख्या एक समय 180 तक चली गई थी, वह अब 18 रह गई है। इनमें भी ज्यादा प्रभावित जिले 6 बताए जाते हैं। फडणवीस के ही मुताबिक महाराष्ट्र में केवल दो तालुकाओं में नक्सली गतिविधियां बची हैं। तो जो समस्या यों भी खत्म होने पर है, उसके लिए इतने कड़े इस नए कानून की जरूरत क्यों समझी जा रही है? महाराष्ट्र में मकोका और क्रूजैसे सख्त कानून पहले से हैं।

करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फायर ब्रिगेड टीम ने इस आग की घटना में किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान न होने की बात कही है। इसी 16 जून को उत्तर प्रदेश के अमरोहा जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव अतरासी से करीब दो किलोमीटर दूर यह फैक्ट्री चार महिलाओं की मौत हो चुकी थी। नौ घायल मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोप है कि फैक्ट्री संचालक ने पटाखे बनाने के लिए आसपास की रहने वाली महिलाओं को कम मजदूरी पर रखा था। उन्हें केवल 300 रुपये दिहाड़ी दी जाती थी। मजदूरों को न कभी ट्रेनिंग दिलाई और नही आपातस्थित से निपटने का कोई प्रशिक्षण दिया गया। फैक्ट्री में दुर्घटनाएं होने पर कुछ दिन शोर मचता है। मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा होने के बाद सब शांत हो जाता है। दुर्घटनाएं रोकने की कोई योजना नही बनती। नहीं फैक्ट्री के श्रमिकों को दुर्घटना होने के समय की चुनौती बताई जाती हैं।

बड़ी चुनौती है फैक्ट्री के धमाकों को रोकना

(अशोक मधुप)

श्रम और रोजगार मंत्रालय के महानिदेशालय फ़ैक्ट्री सलाह सेवा और श्रम संस्थान द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत के पंजीकृत फ़ैक्ट्रियों में दुर्घटनाओं के कारण हर दिन औसतन तीन मज़दूरों की मौत हुई है और 11 घायल होते हैं। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के पासमैलारम फेज एक इलाके में एक केमिकल फैक्टरी में हुए विस्फोट में 34 कर्मचारियों की मौत हो गई। तीन दिन पहले उत्तर प्रदेश के नोएडा के थाना फेस वन क्षेत्र स्थित डी-93 सेक्टर-दो स्थित शाम पेंट इंडस्ट्रीज केमिकल की कंपनी में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि लपटें आसमान तक छूती नजर आई। करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फायर ब्रिगेड टीम ने इस आग की घटना में किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान न होने की बात कही है। इसी 16 जून को उत्तर प्रदेश के अमरोहा जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव अतरासी से करीब दो किलोमीटर दूर यह फैक्ट्री चार महिलाओं की मौत हो चुकी थी। नौ घायल मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोप है कि फैक्ट्री संचालक ने पटाखे बनाने के लिए आसपास की रहने वाली महिलाओं को कम मजदूरी पर रखा था। उन्हें केवल 300 रुपये दिहाड़ी दी जाती थी। मजदूरों को न कभी ट्रेनिंग दिलाई और नही आपातस्थित से निपटने का कोई प्रशिक्षण दिया गया। फैक्ट्री में दुर्घटनाएं होने पर कुछ दिन शोर मचता है। मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा होने के बाद सब शांत हो जाता है। दुर्घटनाएं रोकने की कोई योजना नही बनती। नहीं फैक्ट्री के श्रमिकों को दुर्घटना होने के समय की चुनौती बताई जाती हैं। दुर्घटना होने के समय की चुनौती के समय के लिए प्रशिक्षित भी नही किया जाता। दुर्घटना होने पर क्या किया जाए इसका भी प्रशिक्षण नहीं दिया जाता। फैक्ट्री लगती है किंतु उनका तकनीकि निरीक्षण नहीं होता। निरीक्षण करने वाली अधिकारी पैसे के बल पर अपने आफिस में ही बैठकर रिपोर्ट बना देते है। सही मायने में फैक्ट्रियों में होने वाली दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली मौत का जिम्मेदार वह अमला भी है जो समय?समय पर इनके सुरक्षा तंत्र का निरीक्षण करता है। श्रम और रोजगार

मंत्रालय के महानिदेशालय फ़ैक्ट्री सलाह सेवा और श्रम संस्थान द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत के पंजीकृत फ़ैक्ट्रियों में दुर्घटनाओं के कारण हर दिन औसतन तीन मज़दूरों की मौत हुई है और 11 घायल होते हैं। नवंबर 2022 में आरटीआई जवाब के अनुसार, भारत में रजिस्टर्ड फ़ैक्ट्रियों में हर साल होने वाली दुर्घटनाओं में 1,109 वर्करों की मौत हो गई और 4,000 से अधिक वर्कर घायल हुए। ये 2017 से 2020 के बीच आंकड़ों के आधार पर है। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि यह संख्या और भी ज्यादा है क्योंकि बड़े पैमाने पर असंगठित क्षेत्रों में होने वाले हादसों की रिपोर्ट दर्ज ही नहीं की जाती है। निदेशालय जनरल फैक्ट्री एडवाइस सर्विस एंड लेबर इंस्टीट्यूट्स की रिपोर्ट, 2022 के अनुसार 2021 में, महाराष्ट्र में 6,492 खतरनाक फैक्ट्रियों में से केवल 1,551 का निरीक्षण किया गया, जिससे 23.89 प्रतिशत निरीक्षण दर प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त, 39,255 पंजीकृत फैक्ट्रियों में से केवल 3,158 का निरीक्षण किया गया। इससे 8.04 प्रतिशत निरीक्षण मिली। अन्य प्रमुख औद्योगिक राज्यों में भी यह प्रवृत्ति दिखाई देती है। तमिलनाडु में सामान्य निरीक्षण दर 17.0 प्रतिशत और खतरनाक फैक्ट्रियों की निरीक्षण दर 25.39 प्रतिशत थी। गुजरात में सामान्य निरीक्षण दर 19.33 प्रतिशत और खतरनाक फैक्ट्रियों की निरीक्षण दर 19.81 मिली।। 2021 के लिए अखिल भारतीय आंकड़े सामान्य निरीक्षणों के लिए 14.65 प्रतिशत और खतरनाक फैक्ट्रियों के लिए 26.02 प्रतिशत थे। उपर्युक्त विवरण से लिया गया है।

खराब निरीक्षण दरों का एक कारण कर्मचारियों की कमी है। महाराष्ट्र में निरीक्षकों की नियुक्ति दर केवल 39.34 प्रतिशत थी। इसमें 122 स्वीकृत अधिकारियों में से केवल 48 कार्यरत थे। गुजरात में नियुक्ति दर 50.91 प्रतिशत रही, तो तमिलनाडु में यह 53.57 प्रतिशत थी। अखिल भारतीय नियुक्ति दर 67.58 प्रतिशत थी। स्वीकृत पदों की संख्या पंजीकृत फैक्ट्रियों की संख्या के सापेक्ष वार्षिक निरीक्षण सुनिश्चित करने के लिए अपर्याप्त रही है। 2021 में, अखिल भारतीय स्तर पर 953 स्वीकृत निरीक्षकों में से प्रत्येक को वार्षिक रूप से 337 पंजीकृत फैक्ट्रियों का निरीक्षण करना पड़ता है। मई 2024 में, महाराष्ट्र इंडस्ट्री डेवलपमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष ने एक मीडिया रिपोर्ट में स्वीकार किया कि सुरक्षा निरीक्षण और प्रमाणन अक्सर ऑडिटरों और फैक्ट्री मालिकों या प्रबंधकों के बीच समझ के आधार पर किए जाते थे। यह संकेत देता है कि नियोक्ता भी श्रम निरीक्षकों के समान ही दोषी हैं, और भ्रष्ट प्रथाओं की आपूर्ति पक्ष को संबोधित करना मांग पक्ष के सुधार के समान ही महत्वपूर्ण है।

प्रदेश स्तर पर विशिष्ट सीमा मात्रा के साथ खतरनाक रसायनों और ज्वलनशील गैसों की एक सूची स्थापित की जानी चाहिए। प्रत्येक राज्य को प्रमुख खतरे वाले कार्यस्थलों की सूची बनाए रखनी चाहिए। समें सुविधा का प्रकार, उपयोग किए गए रसायन और संग्रहीत मात्रा का विवरण हो। खतरनाक सामग्री की सूची और इन्वेंट्री को एक केंद्रीकृत डेटाबेस में संग्रहीत करें, जिस तक नियामक निकाय, आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ता, और जनता आसानी से पहुंच सकें। निरीक्षण प्रणाली को उदार बनाने के बजाय, सरकारों को आईएलओ सम्मेलन के प्रावधानों का पालन करके मजबूत श्रम बाजार शासन सुनिश्चित करना होगा। प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति और खतरनाक और रासायनिक पदार्थों के उपयोग को देखते हुए, सख्त निरीक्षणों की आवश्यकता है। औद्योगिक आपदाओं की पुनरावृत्ति सरकार की विफलता को दर्शाती है कि उसने पिछले घटनाओं से सबक नहीं सीखा है। सुधारों और कमजोर शासन के नाम पर, राज्य अपने मूल कर्तव्य से पीछे नहीं हट सकता कि वह एक सुरक्षित कार्य और जीवन सुनिश्चित करे। एक प्रभावी और नैतिक श्रम निरीक्षण प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए सार्थक सुधारों की आवश्यकता है जो श्रमिकों और समुदाय की सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता दें। इसके साथ ही फैक्ट्री श्रमिकों का आपदा के समय सुरक्षा के उपाए, कैसे बचाव करें आदि का बार?बार प्रशिक्षण देना होगा। सभी उद्योगों के निरीक्षण के लिए तकनीकि विशेषज्ञों की टीम बनानी होगी। उन्हें नियमित निरीक्षण के निर्देश करने होंगे। इससे किसी दुर्घटना होने पर मौत और घायलों का आंकड़ा कम किया जा सकता है। दुर्घटना होने के हालात में इन तकनीकी अधिकारियों की जिम्मेदारी भी फिक्स करनी होगी। देखने में आ रहा है कि निरीक्षण स्टाफ की फेक्ट्री स्वामियों से मिलीभगत होने के कारण उद्योग स्वामी प्रायः प्रशिक्षित स्टाफ नही रखते। उत्तर प्रदेश के अमरोहा के अगवानपुर की दुर्घटना ग्रस्त पटाखा फैक्ट्री का भी ये ही कारण रहा। फैक्ट्री स्वामी ने सस्ते के चक्कर में फैक्ट्री के आसपास रहने वाली महिलाएं रख रखी थी।

शिव के तांडव के पीछे की कहानी, जानें कौन है नटराज के पैरों के नीचे

नृत्य की यही गति ब्रह्मांड है। इसी गति को पाना प्रभु को पाना है। जिसने भी प्रभु को पाया है, वे सब नाचे हैं, चाहे चैतन्य महाप्रभु हों या मीरा। नृत्य परमात्मा की परम पूजा में लीन होना होता है। नृत्य कोई विचार नहीं है, बल्कि यह समस्त विचारों, मानसिक विकारों को वतर्मान से बाहर करने का मार्ग है। नृत्य में जब व्यक्ति अपनी सुध-बुध खोकर परमात्मा से एक हो जाना चाहता है, तब नृत्य उसके लिए पूजा बन जाता है। जब कोई नृत्य में होता है तो उसके लिए समय हो या विचार, सब ठहर जाते हैं। उसके अंदर जितने तरह के भय या दुख रहते हैं, विलीन हो जाते हैं। यहां तक कि भूत-भविष्य का भी लोप हो जाता है। रह जाता है सिर्फ वर्तमान और उसके साथ उस क्षण का वह आनंद जो परमात्मा से साक्षात मिलन का साक्षी होता है। वैदिक काल से ही नृत्य भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। ऋग्वेद के कई श्लोकों में इंद्र को ब्रह्मांड को नचाने वाला कहा गया है। यजुर्वेद से पता चलता है कि वैदिक युग में नृत्य करने वाले खूब थे।

(पराग शर्मा)

भगवान शिव नृत्यु क्यों करते हैं और नृत्य से कौन सी ऊर्जा का संचार करते हैं। साथ ही नटरजा के पैरों के नीचे कौन है, जिस पर वह नृत्य कर रहे हैं। आइए जानते हैं नटराज के पैरों के नीचे बौना राक्षस कौन है।

उत्सव, खुशी, मिलन, कृतज्ञता, उत्साह और असीम शांति से भरी एक दिव्य अनुभूति है नृत्य। नृत्य में हमारी ऊर्जा ब्रह्मांडीय ऊर्जा के साथ एक होने लगती है। नृत्य करती शिव की नटराज प्रतिमा दर्शाती है कि संसार गति से भरा है, और यहां का कण-कण नृत्य कर रहा है। शिव का नृत्य ही ब्रह्मांड है। इस नृत्य में गति है, और इस गति में नृत्य है। नृत्य की यही गति ब्रह्मांड है। इसी गति को पाना प्रभु को पाना है। जिसने भी प्रभु को पाया है, वे सब नाचे हैं, चाहे चैतन्य महाप्रभु हों या मीरा।

नृत्य परमात्मा की परम पूजा में लीन होना होता है। नृत्य कोई विचार नहीं है, बल्कि यह समस्त विचारों, मानसिक विकारों को वतर्मान से बाहर करने का मार्ग है। नृत्य में जब व्यक्ति अपनी सुध-बुध खोकर परमात्मा से एक हो जाना चाहता है, तब नृत्य उसके लिए पूजा बन जाता है। जब कोई नृत्य में होता है तो उसके लिए समय हो या विचार, सब ठहर जाते हैं। उसके अंदर जितने तरह के भय या दुख रहते हैं, विलीन हो जाते हैं। यहां तक कि भूत-भविष्य का भी लोप हो जाता है। रह जाता है सिर्फ वर्तमान और उसके साथ उस क्षण का वह आनंद जो परमात्मा से साक्षात मिलन का साक्षी होता है। वैदिक काल से ही नृत्य भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। ऋग्वेद के

कई श्लोकों में इंद्र को ब्रह्मांड को नचाने वाला कहा गया है। यजुर्वेद से पता चलता है कि वैदिक युग में नृत्य करने वाले खूब थे। अथर्ववेद में कहा है, 'स्यां गायंति नृत्यंति भूम्यां मर्त्यायैलिवाः, युद्धंते यस्यमा-न्दो यस्यां वदति दुन्दुभिः।' यानी जहां आनंद के बाजे बज रहे हैं, लोग प्रसन्नता से नाचते-गाते हैं और वीर लोग उत्साह से राष्ट्र की रक्षा में तत्पर हैं। स्कंद पुराण में शिव के नटराज मुद्रा में होने की कथा है। नटराज की मूर्ति देखें तो उनके पैरों तले कोई है। यह अपस्मरा नाम का राक्षस है। इस राक्षस को अभिमान और अज्ञानता का प्रतीक माना गया है। मगर शिव क्या कर रहे हैं? वह इस राक्षस को क्रोधित होकर मार भी सकते थे। मगर मुस्कुराते हुए अपस्मरा पर चढ़कर नृत्य कर रहे हैं। वो नृत्य के आनंद में हैं, जिसके पैरों तले अभिमान और अज्ञानता नाम का राक्षस कुचला जा रहा है।

हमारे भारतीय जीवन में कोई भी उत्सव नृत्य के बगैर पूरा नहीं माना जाता। उत्सव जीवन में उजाला लेकर आते हैं, जिसमें नृत्य के जरिए अज्ञान और अभिमान को खत्म करना हमारी सांस्कृतिक विरासत है। इसीलिए भारत के हर प्रांत में अलग-अलग नृत्य प्रचलित रहे हैं। भरतनाट्यम्, कथकली, कथक, ओडिसी, मणिपुरी, मोहिनीअट्टम, कुचिपुड़ी, सत्रीया नृत्य आदि भारत की विरासत हैं, जो परमात्मा के अलग-अलग रूपों की आराधना के लिए वर्णित हैं। भारत के अनेक पौराणिक मंदिर इन नृत्यों का इतिहास दर्शाते हैं। नृत्यों के माध्यम से कथाओं और कहानियों को भी दर्शाया जाता है। नृत्य करने और देखने वाले दोनों के लिए वह पल दिव्यता से भर जाता है। भारत में शास्त्रीय नृत्य हों, या फिर पारंपरिक लोक नृत्य, भांगड़ा, गरबा से लेकर, शादी के नृत्य और वेस्टन बालरुम डांस आदि हों, यह बस वास्तव में दिव्यता से एक हो जाने का अहसास कराते हैं। नृत्य करिए, अकेले में करिए और हो सके तो सबके साथ मिलकर करिए, ताकि जीवन के उत्सव का जश्न सामूहिक रूप से मनाया जा सके। आप अपने जीवन में डांस करने का मौका कभी न छोड़िएगा। हां, जब शरीर से डांस न कर रहे हों, तब परमात्मा का शुक्राना करते हुए मन ही मन डांस कर चेहरे पर मुस्कुराहट को बनाए रखिएगा।-

वर्ग पहेली 5792

संकेत: बाएं से दाएं
1. भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री जिनका जन्म दिवस 20 अगस्त 1944 है (5)
5. बेबाक, चुकता किया हुआ (2)
7. यत्न का अपभ्रंश (3)
8. इस्लामी नवां महीना जिसमें मुस्लिम दिन भर रोजा रखते है (4)
9. अवाम, पब्लिक, सर्वसाधारण (3)
11. नया, नवीन, नूतन (2)
12. एक प्रकार के देवता जो कुबेर के सेवक और उसकी निधि के रक्षक कहे गए है (2)
15. इज्जत, प्रतिष्ठा, इस्मत (3)
17. काव्यममंज्ञ, रसपान रकने वाला (3)
19. समेत, संग-संग, समाविष्ठ, संयुक्त (3)
21. गंधा बिरोजा, पायस, लक्ष्मीवेस्ट (4)
23. दार्शनिक प्रणाली, चोट, राय (2)
24. पानी के साथ निचोड़ना या घिसना, गलाना (3)

ऊपर से नीचे
1. शासकीय, राज्यीय (4)
2. फतह, विजय, यह फिल्म करीना कपूर की अभिनेत्री मां की अंतिम फिल्म थी 1972)(2)
3. वन में उत्पन्न वस्तु (3)
4. धैर्य, धीरज, ढ़ाढस (3)
5. नमाज की सूचना के शब्द जो जोर से पुकारे जाते है (3)
6. दानवों के गुरू होने के कारण शुक्राचार्य को य हभी कहते थे (5)
10. नव या नया अभ्युदल काल, आरंभिक बढ़ती का समय (4)
13. हानि, नुकसान, हर्जाना (2)
14. प्रार्थना करना (5)
16. भारत के इस राज्य का प्राचीन नाम प्राग ज्योतिषपुर था (3)
18. रविशंकर नाम इस वाद्य के साथ जुड़ा है (3)
20. भलाई, उपकार, कल्याण (2)
22. कोई तमाशा, करतब आदि दिखाकर आजीविका चलाने वाला, डिबरी, बाजीगर (2)

वर्ग पहेली 5791 का हल

अ	फ	गा	नि	स्ता	न		ख्या
म	ल	ना		व	र	दा	ता
ज	न		र	क	म		
द		त	म		पं	च	म
अ	क	स		सा	थी		ह
ली	ल	ना		र		त	त्व
ख्यां				ना	या	व	
		ह	प	थ		ला	भ

उम्र न पूछो गाड़ी की

(अक्षय शुक्ला)

चौतरफा विरोध के बाद पुरानी गाड़ियों को दिल्ली में फ्यूल न देने और उन्हें ज़ब्त करने का फैसला आखिरकार टाल दिया गया। अब यह आदेश दिल्ली एनसीआर में एक साथ नवंबर से लागू होगा। यानी समस्या का समाधान ढूंढने के बजाय उसे बस आगे खिसका दिया गया है। चार महीने बाद फिर यही स्थिति होगी, तब क्या करेंगे। मसले को टालने के बजाय जो सवाल खड़े हो रहे हैं, उनका जवाब तलाशने की कोशिश भी होनी चाहिए।

पहला सवाल यह कि क्या दिल्ली में सबसे ज्यादा प्रदूषण गाड़ियों से हो रहा है? राजधानी में करीब 62 लाख पुरानी गाड़ियां बताई जा रही हैं। क्या कोई डेटा है कि इनसे प्रदूषण में कितना इज़ाफा हो रहा है। एक्सपर्ट्स की मानें तो दिल्ली में पीएम 2.5 यानी हवा में मौजूद बेहद छोटे प्रदूषित कणों की मात्रा में गाड़ियों से निकलने वाले धुएं का हिस्सा 10 फीसदी से भी कम होता है। इसमें भी अधिक योगदान दो और तिपहिया वाहनों का होता है। यहां की हवा को ज़हरीली बनाने में पावर प्लांट और उद्योगों से निकलने वाले धुएं, निर्माण कार्य से उड़ने वाली धूल और पराली का भी बड़ा योगदान है। तो सिर्फ गाड़ियों पर ही फोकस क्यों, इन सब कारणों पर एक साथ काम होना चाहिए। लोगों से उनकी गाड़ियां छीनने से पहले उन्हें एक स्मार्ट पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम भी तो दें, जिसमें किसी सरकार की कोई दिलचस्पी नहीं। गाड़ियां छीनकर लोगों को नई कार खरीदने पर मजबूर करके तो आप कार कंपनियों की ही चांदी कर रहे हैं। एनबीटी संवाद में हमसे कई लोगों ने पूछा कि सबसे ज्यादा धुआं छोड़ने वाला हवाई जहाज़ 40 साल तक उड़ सकता है लेकिन हमारी अच्छी खासी कार हमें दस साल में ही रिटायर करनी पड़ रही, यह कैसा इंसाफ है।

दूसरी बात, क्या किसी और देश में इस तरह का नियम है? शायद नहीं, बाकी देशों में वाहनों के रेगुलर फिटनेस और एमिशन चेक कर अच्छी कंडीशन वाली गाड़ियों को चलने की मंजूरी दे दी जाती है। क्या ऐसा ही कुछ हमारे यहां भी नहीं होना चाहिए, जब एक्सपर्ट भी कह रहे हैं कि कार की उम्र से नहीं उसके उत्सर्जन से प्रदूषण का पैमाना तय होता है।

इस फैसले की सबसे ज्यादा मार आम मिडल क्लास पर ही पड़नी है जो जीवन में मुश्किल से एक कार खरीदने की हिम्मत करता है। उसके लिए गाड़ी लग्ज़री नहीं, ज़रूरत है। 15 साल में ही उससे कार छीन लेना तो अन्याय है। मुझे अपनी पहली कार जल्दबाज़ी में सस्ते दाम पर बेचनी पड़ी क्योंकि 15वां साल करीब आने से उसके उचित दाम मिलने की संभावना कम होती जा रही थी, जबकि वह सिर्फ 30 हज़ार किलोमीटर ही चली थी और बहुत अच्छी हालत में थी। जो गाड़ी अगले दस साल तक साथ निभा सकती थी, उसे मजबूरी में दूसरे राज्य में चलने के लिए भेज देना पड़ा।

आज का राशिफल

मेष
आज दिन आर्थिक और पेशेवर दृष्टि से आपके लिए सकारात्मक रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जो आपके अनुभव और आत्मविश्वास को मजबूत करेंगी। पुरानी जान-पहचान या पुराने दोस्तों से वित्तीय सहायता प्राप्त हो सकती है, जिससे किसी रुके काम में गति आएगी।

वृष
आज विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। विशेषकर संपत्ति या जमीन से जुड़े झगड़ों या कागजी मामलों से दूर रहना आपके लिए हितकर होगा। कार्यक्षेत्र में आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप अपने कार्यों में पूरी तत्परता के साथ लगे रहेंगे। व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं पर अत्यधिक खर्च होने के संकेत हैं, जो बजट को प्रभावित कर सकते हैं।

मिथुन
आज व्यापार की योजना बना सकते हैं या किसी पुराने व्यवसाय में नए तरीके अपनाने की कोशिश करेंगे। यह सोच सकारात्मक परिणाम दे सकती है, लेकिन आपको बाजार की स्थिति की पूरी जानकारी रखनी होगी। पुराने कर्ज से कुछ राहत मिलने के योग हैं, जिससे मानसिक बोझ कम होगा।

कर्क
आज भाग्य साथ दे रहा है। धन और समृद्धि के लिए दिन आपके पक्ष में है। आमदनी के नए स्रोत खुल सकते हैं, खासकर यदि आप शिक्षा, कंसल्टेंसी, धार्मिक कार्य या रियल एस्टेट से जुड़े हुए हैं। कार्यस्थल पर आपके योगदान को सराहा जाएगा, जिससे भविष्य में पदोन्नति या आर्थिक लाभ संभव है।

सिंह
आज आर्थिक दृष्टि से दिन अच्छा है। आप कुछ नई व्यावसायिक योजनाओं की शुरुआत कर सकते हैं, जो आने वाले समय में अच्छा लाभ देंगी। व्यापार विस्तार के लिए समय अनुकूल है, विशेषकर यदि आप साझेदारी में कोई कार्य कर रहे हैं। उच्च अधिकारियों से संवाद करते समय सावधानी बरतें, क्योंकि अनावश्यक बहस से नुकसान हो सकता है।

कन्या
आज दिन सफलता से भरा होगा और पुराने वित्तीय विवाद या उलझनों का समाधान संभव है, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे, जिससे भविष्य में लाभ के संकेत हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखने से बचत बढ़ेगी, विशेषकर अनावश्यक तकनीकी उपकरण या लग्जरी आइटम पर पैसे खर्च करने से बचें।

तुला
आज दिन आर्थिक दृष्टिकोण से शुभ है। आय के नए स्रोत खुल सकते हैं, खासकर जिनका सरकारी विभागों, शिक्षा या बैंकिंग क्षेत्र से संबंध है। नौकरीपेशा लोगों की सैलरी में बढ़ोतरी या बोनस मिलने की संभावना है। व्यापारी वर्ग को सरकारी टेंडर या अनुबंध मिल सकते हैं, जो भविष्य में आर्थिक स्थिरता देंगे।

धनु
आज दिन आर्थिक दृष्टि से स्थिरता और विकास के संकेत दे रहा है। धार्मिक या सामाजिक कार्यों में सहभागिता से मानसिक संतुलन मिलेगा, जो आपकी निर्णय क्षमता को और मजबूत करेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को नए क्लाइंट मिल सकते हैं, जिससे भविष्य की इनकम सुनिश्चित होगी। भाई-बहनों से आर्थिक सहयोग या सलाह मिल सकती है।

कुंभ
आज दिन सफलता से भरा होगा। आपके रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं, जिससे आर्थिक लाभ होगा। कोई पुराना फाइनेंशियल विवाद आपकी समझदारी और शांत स्वभाव से सुलझ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी योजना और दृष्टिकोण को सराहना मिलेगी। बैंकिंग, फाइनेंस या टेक?नॉलॉजी से जुड़े लोग आज किसी विशेष अवसर का लाभ ले सकते हैं।

वृश्चिक
वृश्चिक
आज दिन सफलता से भरा होगा। करियर में नई ऊंचाइयां छूने के संकेत हैं। ऑफिस या व्यवसाय में किसी वरिष्ठ या अनुभवी व्यक्ति से मुलाकात आपके लिए लाभकारी साबित हो सकती है। व्यापारी वर्ग के लिए की गई यात्राएं आर्थिक लाभ लेकर आ सकती हैं।

मकर
आज आर्थिक मामलों में विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए। कार्यस्थल पर कुछ लोग आपके विरुद्ध योजना बना सकते हैं, इसलिए सतर्क रहना जरूरी है। लेन-देन में पूरी पारदर्शिता रखें, और उधार देने या लेने से यथासंभव बचें। व्यापारिक निर्णय जल्दबाजी में न लें। हर पक्ष की जांच के बाद ही कोई बड़ा फैसला लें।

मीन
आज बिजनस में कोई सौदेबाजी में सफलता मिलेगी। इससे आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। नौकरी करने वाले लोगों को बॉस की सलाह फायदेमंद रहेगी। करियर में आपको किसी गुरु या मेंटर का मार्गदर्शन मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

ओडिशा के पुरी में एच5एन1 वायरस से हड़कंप, सरकारी आदेश पर 6700 मुर्गियां मारी

पुरी, एजेंसी। ओडिशा के पुरी जिले में बर्ड फ्लू (एच5एन1 वायरस) की पुष्टि के बाद प्रशासन ने तत्काल आपातकालीन नियंत्रण अभियान शुरू कर दिया है। जिला पशु चिकित्सा अधिकारी के अनुसार, संक्रमण को रोकने के लिए 6700 से अधिक मुर्गियों को मारा गया है। सूत्रों के अनुसार, पिछले एक हफ्ते से गांव में मुर्गियों की रहस्यमयी मौतें हो रही थीं, लेकिन बर्ड फ्लू की पुष्टि तब हुई जब ग्रामीणों ने चिंता जताई और प्रशासन ने सैंपल लिए। जानकारी के अनुसार, पुरी जिले के डेलंगा ब्लॉक के बड़ा अंकुला गांव में बीते हफ्ते मुर्गियों की असामान्य मौतें देखने को मिली थीं। ग्रामीणों की शिकायत पर 9 जुलाई को लिए गए सैंपल जांच के लिए भोपाल स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज भेजे गए थे। रिपोर्ट में एच5एन1 एवियन इन्फ्लुएंजा वायरस की पुष्टि हुई। पुरी के मुख्य जिला पशु चिकित्सा अधिकारी शरत कुमार बेहेरा ने बताया कि क्षेत्र में 5 रैपिड रिस्पॉन्स टीम और स्वास्थ्य विभाग की टीमें तैनात की गई हैं। उन्होंने बताया, संक्रमित क्षेत्र में जीवित पक्षियों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। सभी संक्रमित पक्षियों को 1 किलोमीटर के दायरे में मारने की कार्रवाई पूरी कर ली गई है। इसके साथ ही आसपास के 5 गांवों से और सैंपल लिए गए हैं ताकि वायरस के फैलाव का पता लगाया जा सके। राज्य के मत्स्य एवं पशु संसाधन विकास मंत्री गोकुलानंद मल्लिक ने संक्रमित क्षेत्र का दौरा किया और नियंत्रण उपायों का जायजा लिया।

मोटापे के खिलाफ सरकार का नया प्लान- समोसा जलेबी पर भी मिलेगी सिगरेट जैसी वॉर्निंग

नईदिल्ली, एजेंसी। जंक फूड को लेकर सरकार कड़े कदम उठाने की तैयारी में है। खबर है कि अब सिगरेट की तरह ही समोसा और जलेबी जैसे लोकप्रिय नाश्ता वॉर्निंग के साथ परोसा जाएगा। दरअसल, बच्चों में मोटापा और शहरी युवाओं में जरूरत से ज्यादा वजन चिंता बढ़ा रहा है। ऐसे में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने वॉर्निंग साइन लगाने का प्लान तैयार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्यम मंत्रालय ने एम्स समेत कई केंद्रीय संस्थानों से ऐसे पोस्ट लगाने के आदेश दिए हैं, जिसमें साफतौर पर लिखा हुआ हो कि रोज नाश्ता करते समय कितना छिपा हुआ फैट और शक्कर ले रहे हैं। खास बात है कि यह पहली बार है जब जंक फूड पर तंबाकू जैसी चेतावनी देने की तैयारी की जा रही है। इसके जरिए नागरिकों को इन शक्कर और तेल की मात्रा के बारे में सचेत किया जाना है। खास बात है कि इस लिस्ट में लड्डू से लेकर वड़ा पाव और पकोड़ा तक कई खाद्य शामिल हैं। खबर है कि जल्द ही कैफे और अन्य सार्वजनिक जगहों पर वॉर्निंग लगाई जाएंगी। अखबार से बातचीत में नागपुर के कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अमर अमाले बताते हैं, ,शक्कर और ट्रांस फैट्स नए तंबाकू हैं। लोगों को यह जानने का अधिकार है कि वो क्या खा रहे हैं।, रिपोर्ट के अनुसार, अनुमान है कि साल 2050 तक 44.9 करोड़ भारतीय ओवरवेट या मोटापे का शिकार हो जाएंगे। ऐसे में इस मामले में भारत सिर्फ अमेरिका से पीछे रह जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, डायबीटोलॉजिस्ट सुनील गुप्ता कहते हैं, ,यह भोजन बैन करने के बारे में नहीं है।, उन्होंने कहा, ,लेकिन अगर लोगों को पता होगा कि गुलाब जामुन में 5 चम्मच शक्कर हो सकती है, तो दूसरी बार लेने से पहले शायद दो बार सोचेंगे।

सांपों से खेल, फूल और पत्तियों का भोजन, कैसे सालों जंगल और गुफा में रही रूसी महिला

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में गोकर्ण के पास रामतीर्थ पहाड़ी की गुफा में रूसी महिला अपने बच्चों के साथ मिली। 40 साल की नीना कुटिना को मोही के नाम से भी जाना जाता है, जो यहा अपनी दो छोटी बेटियों 6 वर्षीय प्रेया और 4 वर्षीय अमा के साथ रह रही थी। तीनों इस गुफा में बीते 2 महीने से छिपे हुए थे। कुटिना साल 2016 में बिजनेस वीजा पर भारत आई थी और 2017 में वीजा अवधि समाप्त हो गई। इसके बाद उन्होंने देश छोड़ने के बजाय जंगल में शरण ले ली। 9 जुलाई को पुलिस गश्त के दौरान उन पर नजर पड़ी। अधिकारियों ने गुफा के पास साड़ियां और प्लास्टिक कवर देखे तो उन्हें संदेह हुआ। गुफा में रुद्र की मूर्ति, रूसी किताबें और हिंदू देवी-देवताओं की तस्वीरें भी मिलीं। नीना कुटिना ने अपनी बेटियों को जंगल में ही जन्म दिया। उसने उन्हें योग, ध्यान, चित्रकला और आध्यात्मिक शिक्षा सिखाई। वह अपने परिवार के लिए राशन के तौर पर इंस्टेंट नूडल्स और प्राकृतिक संसाधनों (फल, फूल और पत्तियों) पर निर्भर थी। तीनों प्लास्टिक शीट पर सोते थे और प्राकृतिक रोशनी का इस्तेमाल करते थे। कुटिना ने पुलिस को बताया, ,सांप तो हमारे दोस्त हैं। वे हमें नुकसान नहीं पहुंचाते जब तक कि हम उन्हें परेशान न करें।, खतरनाक वन्यजीवों और भूस्खलन वाले इलाके में भी वे सुरक्षित रहीं। पुलिस ने अब उन्हें बच्चों के साथ कुमटा तालुका के एक आश्रम में भेज दिया है, जहां 80 वर्षीय स्वामीजी उनकी देखभाल कर रही हैं। पुलिस ने गुफा और आसपास के जंगल की तलाशी ली। इस दौरान नीना कुटिना का पासपोर्ट और समाप्त हो चुका वीजा बरामद हुआ, जिसकी समय सीमा 17 अप्रैल, 2017 को खत्म हो गई थी। कुटिना ने पहले दावा किया कि उसके कागजात खो गए थे। साल 2018 में उसने नेपाल के लिए एग्जिट परमिट लिया था।

हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम ने अपने 49 होटलों में 20 से 40 फीसदी तक की छूट देने का फैसला लिया

शिमला , एजेंसी। हिमाचल प्रदेश घूमने आने वाले टूरिस्टों के लिए जेब को बड़ी राहतभरी खबर है। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम (एचपीटीडीसी) ने 15 जुलाई से 12 सितंबर, 2025 तक अपने 56 में से 49 होटलों में 20 से 40 फीसदी तक की छूट देने का फैसला लिया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा टूरिस्ट मॉनसून में भी प्रदेश का रुख करें। बता दें कि, हिमाचल प्रदेश में 15 अप्रैल से 15 जुलाई तक आधिकारिक टूरिस्ट सीजन के बाद मॉनसून में पर्यटकों की आमद घट जाती है।

इन होटलों में 20 फीसदी छूट : एचपीटीडीसी की ओर से 20 फीसदी की छूट उन होटलों में दी जाएगी, जहां पहले से टूरिस्टों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक रहती है। इनमें रोहड़ू का होटल चांशल, दाड़लाघाट का होटल बघाल, रिवालसर का टूरिस्ट इन, रामपुर का बुशहर रीजेंसी, मनाली का होटल रोहतांग मनालसू, कुल्लू का होटल सिल्वरमून, कुल्लू का होटल सरवारी, सराहन का होटल श्रीखंड और मनाली का होटल रोहतांग शामिल हैं।

सबसे अधिक होटलों में 30 फीसदी छूट : 30 फीसदी की छूट सबसे ज्यादा होटलों में दी जाएगी। इनमें नुरपुर का होटल नुपुर, चंबा का होटल इरावती, चिंतपुरी हाइट्स बरवानी, ज्वालामुखी का होटल ज्वालाजी, स्वारघाट का होटल हिलटॉप, धर्मशाला का होटल कुनाल, परवाणू का होटल शिवालिक, पांवटा साहिब का होटल यमुना, बिलासपुर का लेक व्यू, पालमपुर का होटल नीलग, शिमला का होटल हॉलिडे होम, पॉग डैम का कैंपिंग साइट, खरापत्थर का होटल गिरीगंगा, पालमपुर का होटल टी-बड, चामुंडा जी का यात्री निवास, कसौली का होटल रोज कॉमन, धर्मशाला का होटल धौलाधार, जोगिंद्रनगर का होटल उहल, मैक्लोडगंज का होटल भागसू, चिंडी का होटल ममलेश्वर, खज्जियार का होटल देवदार, कुल्लू का होटल सरवारी, कसौली का होटल न्यू रोज कॉमन, शिमला का होटल पीटरहॉफ, रेणुकाजी का होटल रेणुका, मैक्लोडगंज का होटल क्लब हाउस, राजगढ़ का टूरिस्ट इन, भरमौर का होटल गौरीकुंड, नग्गर का द कैसल, मनाली का होटल कुंजम, क्यारीघाट का होटल मेघदूत, मनाली का हडिम्बा कॉटेज और मनाली का लॉग हट्स शामिल हैं।

कुछ चुनिंदा लग्जरी होटलों में 40 फीसदी की सबसे बड़ी छूट : 40 फीसदी की सबसे बड़ी छूट कुछ चुनिंदा लग्जरी होटलों में दी जा रही है। इनमें कसौली का होटल न्यू रोज कॉमन, नारकंडा का होटल हाटू, चायल का पैलेस होटल और पैलेस होटल एनक्स, द गोल्फ ग्लेड नालदेहरा, डलहौजी का होटल मणिमहेश और गीताजंलि, फागु का होटल एप्पल ब्लॉसम शामिल हैं।

हालांकि कुछ होटलों में किसी भी तरह की छूट नहीं दी जाएगी। इनमें हमीरपुर का होटल हमीर, सुंदरनगर का द सुकैत, चंबा का होटल चंपक, शिमला का विली पार्क, किन्नर कैलाश कल्पा, काजा का द स्पीति और केलंग का चंद्रभागा होटल शामिल हैं।

एचपीटीडीसी के प्रबंध निदेशक राजीव कुमार द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, मिंजर मेले के दौरान चंबा के होटल इरावती और होटल चंपक में 27 जुलाई से 3 अगस्त, 2025 तक तथा भरमौर के होटल गौरीकुंड में 11 अगस्त से 1 सितंबर, 2025 तक चलने वाली मणिमहेश यात्रा के दौरान किसी भी तरह की छूट लागू नहीं होगी। इसके अलावा कुछ होटलों में यह छूट नवीनीकरण के लिए बंद होने तक ही लागू रहेगी। इनमें होटल नगर कैसल, कुल्लू, सिल्वर मून कुल्लू, रोहतांग मनालसू मनाली और हडिम्बा कॉटेज मनाली शामिल हैं।

एचपीटीडीसी ने अपने सभी होटलों को निर्देश दिए हैं कि मॉनसून सीजन में इस छूट का ज्यादा से ज्यादा प्रचार किया जाए ताकि पर्यटक हिमाचल की सुंदर वादियों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ कम खर्च में आरामदायक ठहराव का भी लाभ उठा सकें।

केरल के स्कूलों में ,गुरु पूजा, पर विवाद, राज्यपाल और राज्य सरकार फिर आमने-सामने

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल के दो स्कूलों में छात्रों द्वारा की गई गुरु पूजा की प्रथा का राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बचाव किया है। उन्होंने कहा कि गुरुओं की पूजा करना, शिक्षकों के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित करना भारतीय संस्कृति का एक अहम हिस्सा है। राज्यपाल का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन, वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) की सरकार ने राज्य के दो सीबीएसई स्कूलों में हाल ही में ,पद पूजा, (पैर धोने की रस्म) किए जाने की कड़ी आलोचना की है। राज्यपाल ने रविवार को बलरामपुरम में बालगोकुलम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''गुरु पूजा हमारी संस्कृति का हिस्सा है, जहां हम अपने गुरुओं के चरणों में पुष्प अर्पित करते हैं... लेकिन कुछ लोगों को इस पर आपत्ति है। मुझे समझ नहीं आता कि वे किस संस्कृति से हैं?'' शिक्षकों के सम्मान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आर्लेकर ने कहा कि गुरु महान आत्माएं हैं और सम्मान के पात्र हैं। अगर हम अपनी परंपराएं और संस्कृति ही भूल जाएंगे, तो फिर हम इस विश्व में कहीं नहीं रह जाएंगे। राज्यपाल की इस टिप्पणी पर माकपा और कांग्रेस पार्टी ने उनकी तीखी आलोचना की। दोनों पार्टियों ने राज्यपाल के ऊपर संघ का एजेंडा लागू करने और राज्य का अंधकार युग की ओर वापस ले जाने का आरोप लगाया। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने रविवार को कहा कि स्कूली बच्चों से शिक्षकों के पैर धुलवाने जैसी घटना को उचित ठहराना केरल के राज्यपाल के लिए शर्मनाक है। राज्यपाल के ऊपर उच्च जाति की फासीवादी संस्कृति को आगे बढ़ाने की कोशिश का आरोप लगाते हुए वेणुगोपाल ने कहा कि उन्हें अपने पद की महानता को समझना चाहिए। उन्होंने कहा,अर्लेकर केरल को अंधकार युग में वापस ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। शायद राज्यपाल को इस भूमि का इतिहास नहीं पता जिसने पुनर्जागरण देखा है। राज्य के शिक्षा मंत्री ने भी राज्यपाल के बयान की निंदा करते हुए कहा कि यह प्रथा केरल की संस्कृति का हिस्सा नहीं है। मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने कहा, शिक्षकों का सम्मान करने से कोई किसी को नहीं रोक रहा है।

एक सप्ताह में निकल जाओ, मराठी विवाद के बीच पंजाब के गांव में प्रवासियों को फरमान

चंडीगढ़, एजेंसी। महाराष्ट्र में हिंदी बनाम मराठी का विवाद पैदा करने की कोशिशें पिछले कुछ दिनों में हुई हैं। इसके अलावा राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने उत्तर भारतीयों को भी निशाने पर लिया है। इस बीच पंजाब के फतेहगढ़ साहिब से भी ऐसी ही खबर है, जहां के एक गांव से प्रवासियों को निकलने का फरमान सुनाया गया है। फतेहगढ़ साहिब जिले के गांव लखनपुर गारचा पट्टी की पंचायत ने गांव में रह रहे प्रवासियों को एक सप्ताह के अंदर निकल जाने को कहा है। पंचायत ने प्रस्ताव पारित किया है कि गांव में काफी लोग अवैध तौर पर रहे हैं और इन्हें एक सप्ताह में निकलने का आदेश दिया जाता है। स्थानीय पुलिस का कहना है कि उसे इस मामले की जानकारी नहीं है। ग्रामीणों की पंचायत में पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि ये प्रवासी लोग महिलाओं से बदसलूकी करते हैं। गांव के सरपंच बरिंदर सिंह बिंडा ने कहा कि ये प्रवासी लोग यहां खेतों में काम करने के लिए आए थे, लेकिन अब ये स्थायी तौर पर यहीं बस गए हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से तमाम ऐसे हैं, जो गांव में घूमते रहते हैं। सिगरेट और बीड़ी पीते हैं। इसके अलावा इनमें से कई लोगों को ड्रग्स की लत लग गई है।

दिल्ली में लापता त्रिपुरा की दिल्ली विश्वविद्यालय स्टूडेंट स्नेहा देबनाथ की लाश मिली !

नई दिल्ली, एजेंसी। कई दिनों से लापता चल रही त्रिपुरा की लड़की स्नेहा देबनाथ की कथित डेड बॉडी गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के पास से बरामद कर ली गई है। स्नेहा दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा थी। उसकी एक करीबी मित्र ने उसके बारे में कई खुलासे किए हैं। दिल्ली पुलिस ने बताया कि 7 जुलाई को पर्यावरण कॉम्प्लेक्स से स्नेहा के लापता होने की सूचना मिली थी। परिजनों की ओर से सौंपे गए एक नोट में उसके सिग्नेचर ब्रिज से कूदने के इरादे का संकेत मिला था।

सिग्नेचर ब्रिज पर आखिरी लोकेशन : इन शुरुआती जानकारी के आधार पर दिल्ली पुलिस ने स्नेहा की खोजबीन शुरू कर दी थी। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान एक कैब ड्राइवर ने स्नेहा को सिग्नेचर ब्रिज पर छोड़ने की बात बताई। फिर तकनीकी निगरानी से स्नेहा की आखिरी लोकेशन सिग्नेचर ब्रिज पर पाई गई।

क्या बोले प्रत्यक्षदर्शी : दिल्ली पुलिस की मानें तो कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने जांच टीम को बताया कि उन्होंने एक लड़की को ब्रिज पर खड़ा देखा था। फिर इसके बाद एनडीआरएफ की मदद ली गई। एनडीआरएफ और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर निगम बोध घाट से नोएडा तक तलाशी अभियान चलाया गया। आखिरकार गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के पास से उसकी कथित डेड बॉडी बरामद कर ली गई। क्लोज फ्रेंड्स का खुलासा

दिल्ली पुलिस ने यह भी बताया कि स्नेहा के करीबी दोस्तों ने बताया कि वह पिछले कुछ महीनों से परेशान थी। यही नहीं स्नेहा ने उसी सुबह एक ई-मेल और व्हाट्सएप संदेश भेजा था। पुलिस ने बताया कि वह मामले की छानबीन कर रही है। युवती के करीबी मित्रों ने बताया कि वह पिछले कुछ महीनों से मानसिक रूप से परेशान और व्यथित थी। खुद से लिखा था सुसाइड नोट पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली पुलिस के अनुसार, स्नेहा ने अपने हाथ से लिखा नोट छोड़ा था जिसमें यमुना नदी पर बने पुल से कूदने का इरादा जताया गया था।

एक फ्रेंड का हैरान करने वाला दावा : स्नेहा के एक करीबी फ्रेंड ने संवाददाताओं को ई-मेल भेजकर दावा किया कि जिस समय स्नेहा को सिग्नेचर ब्रिज पर देखा गया उस समय ब्रिज या आसपास कोई भी सीसीटीवी कैमरा चालू हालत में नहीं था। फ्रेंड का कहना था कि ब्रिज कथित तौर पर 4-5 अलग-अलग पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में आता है और इन थानों ने अलग-अलग कैमरे भी लगाए हैं, लेकिन उनमें से कोई भी चालू हालत में नहीं है। परिवार से 7 जुलाई को आखिरी संपर्क पुलिस ने बताया कि 19 साल की स्नेहा के परिजनों में महरौली थाने में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दी थी। परिजनों ने अपनी शिकायत में बताया कि स्नेहा दिल्ली विश्वविद्यालय के आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी। 7 जुलाई को उसने आखिरी बार अपने परिवार से संपर्क किया था। त्रिपुरा के सीएम की मांग गौरतलब है कि त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा ने भी मामले में उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

कर्नाटक में कांग्रेस के अंदर ही हो रही विधायकों की खरीद-फरोख्त- केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी

बेंगलुरु, एजेंसी। कांग्रेस के एक विधायक द्वारा भाजपा पर कर्नाटक सरकार गिराने का आरोप लगाए जाने के बीच केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को पलटवार करते हुए दावा किया कि मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के मद्देनजर सत्तारूढ़ पार्टी में ही विधायकों की 'खरीद-फरोख्त' के प्रयास हो रहे हैं।

कांग्रेस के एक विधायक ने दावा किया है कि भाजपा कर्नाटक में सरकार गिराने की योजना बना रही है और उसने केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से 55 विधायकों को निशाना बनाने के लिए एक सूची तैयार की है। हुंगुंड से कांग्रेस विधायक विजयानंद कशप्पनवर ने शनिवार को आरोप लगाया कि भाजपा ने 55 कांग्रेस विधायकों की सूची तैयार की है, ताकि अगर वे भाजपा में शामिल नहीं हुए, तो उन पर ईडी या सीबीआई के छापे डलवाए जा सकें।

विजयानंद के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए जोशी ने कहा, 'क्या उन्होंने

(विजयानंद ने) ईडी की सूची में आने के लिए कुछ (गलत) किया है? जिन्होंने गलत किया है, वे ईडी की नजर में आएंगे, दूसरे नहीं। जो सही हैं, उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है और उन्हें किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। 55 विधायकों का यह दावा मुद्दों को भटकाने की साजिश है।'

पत्रकारों से यहां बात करते हुए उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने समर्थन जुटाने के लिए कांग्रेस विधायकों की खरीद-फरोख्त शुरू कर दी है। जोशी ने दावा किया, 'सिद्धरमैया ने हाल ही में कहा था कि शिवकुमार के पास ज्यादा विधायकों का समर्थन नहीं है, इसलिए दोनों अपने-अपने पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए अपने धनबल का इस्तेमाल कर रहे हैं। विधायकों को खरीदने के लिए तैयार दोनों ही लोग वहां (कांग्रेस में) मजबूत हैं, इसलिए हमारे (भाजपा) लिए वहां प्रयास करने का कोई मौका नहीं है और हम ऐसी चीजों में शामिल नहीं होना चाहते।' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा का आधिकारिक रुख जनादेश के विरुद्ध नहीं जाने का है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पांच साल का कार्यकाल पूरा करना चाहिए, क्योंकि उसके पास जनादेश है, लेकिन आंतरिक कलह के कारण वे ऐसा नहीं कर पा रहे हैं, इसलिए वे विधायकों से ऐसे बयान दिलवा रहे हैं कि भाजपा उनके 55 विधायकों को निशाना बना रही है।

छत्तीसगढ़ में भाजपा विधायक खुशवंत साहेब पर हमला, गाड़ी का शीशा टूटा, हाथ में आई चोट

बेमेतरा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में आरंग से भारतीय जनता पार्टी के विधायक और अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब की गाड़ी पर हमला हुआ है। उनकी कार में असामाजिक तत्वों ने पथराव किया है, जिससे कार का शीशा टूट गया है। विधायक के हाथ में चोट भी लगी है। सूचना पर पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। इस घटना ने जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा पर भी सवाल उठाने के साथ राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है। मिली जानकारी के मुताबिक बेमेतरा जिले के नवागढ़ में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद विधायक गुरु खुशवंत साहेब वापस रायपुर लौट रहे थे। नवागढ़ ब्लाक के चारभांठा ढोलिया और भोईनाभांठा के बीच बायपास रोड पर अचानक उनकी गाड़ी पर पत्थरबाजी की घटना हुई। वहीं इस मामले को लेकर गुरु खुशवंत साहेब का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मुझे टारगेट किया गया या असामाजिक तत्वों ने हमला किया। यह जांच का विषय है। कार में जिस जगह पर मैं बैठा था, वहीं पत्थर से हमला हुआ। हमले के बाद गाड़ी फिसली, गाड़ी स्पीड होती तो बड़ी घटना हो सकती थी। विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने कहा- पुलिस जांच कर हमलावरों पर कार्रवाई करें। उन्होंने आगे बताया कि सीएम विष्णुदेव साय ने फोन करके घटना की

जानकारी ली है। आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब की गाड़ी पर असामाजिक तत्वों ने पत्थरबाजी कर दिया। वे बेमेतरा जिले के नवागढ़ में एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद रायपुर स्थित निवास लौट रहे थे। वापसी में चारभांठा ढोलिया और भोईनाभांठा के बीच बायपास रोड पर अचानक उनकी गाड़ी पर पत्थरबाजी की गई। पत्थर इतनी तेजी से फेंके गए कि यदि गाड़ी धीमी होती तो सीधा कांच तोड़ते हुए पत्थर विधायक को लग सकता था। यह हमला अत्यंत गंभीर माना जा रहा है। इस घटना के तुरंत बाद विधायक के पर्सनल स्टाफ ने पुलिस को सूचना दी।

हिमाचल में 17 जुलाई तक तेज बारिश का खतरा, किन जिलों में ऑरेंज और कहां येलो अलर्ट?

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर भारी बारिश का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने चेतावनी दी है कि 14 से 17 जुलाई तक प्रदेश में कई स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान कांगड़ा और सिरमौर जिलों में 14 जुलाई को भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है जबकि मंडी, शिमला और सोलन जिलों के लिए येलो अलर्ट घोषित किया गया है। 15 जुलाई को चम्बा, कांगड़ा, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर में भारी बारिश का येलो अलर्ट रहेगा। 16 जुलाई को लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर बाकी सभी 10 जिलों में येलो अलर्ट रहेगा। वहीं 17 जुलाई को चम्बा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और सिरमौर में फिर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। 18 और 19 जुलाई को हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है, लेकिन इन दिनों के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

इन जिलों में बारिश रविवार को मानसून की रफ्तार कुछ धीमी रही और प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में मौसम साफ बना रहा। इससे लोगों ने राहत की सांस ली। बीते 24 घंटों के दौरान चम्बा जिला के जोत में सर्वाधिक 30 मिमी, शिमला के कुफरी में 20 मिमी और शिमला,

चौपाल, कंडाघाट, पांवटा, सोलन और नारकंडा में 10 मिमी वर्षा रिकॉर्ड हुई। भूस्खलन से 227 सड़कें बंद, 787 पेयजल योजनाएं ठप इस बीच प्रदेश में भूस्खलन के चलते जनजीवन प्रभावित हो रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार रविवार को भूस्खलन के कारण एक नेशनल हाईवे समेत 227 सड़कें बंद रहीं। मंडी जिला सबसे अधिक प्रभावित है, जहां 172 सड़कें और एनएच-22 ठप पड़े हैं। मंडी के सराज उपमंडल में ही 93 सड़कें बाधित हैं। बिजली और पानी की आपूर्ति प्रभावित बिजली और पानी की आपूर्ति भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। यहां 30 जून को बादल फटने से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। प्रदेश में 76 बिजली ट्रांसफार्मर और 787 पेयजल योजनाएं बंद पड़ी हैं। अकेले मंडी में 68 ट्रांसफार्मर और 175 पेयजल योजनाओं पर असर पड़ा है, जबकि कांगड़ा में 612 पेयजल योजनाएं और हमीरपुर में 166 ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए हैं। मानसून सीजन में अब तक 95 मौतें, 33 लापता मानसून सीजन में अब तक बारिश जनित हादसों में 95 लोगों की मौत हो चुकी है, 33 लोग लापता हैं और 175 लोग घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा 21 मौतें मंडी में, कांगड़ा में 14, कुल्लू में 10, चंबा में 9 और हमीरपुर व बिलासपुर में 7-7 लोगों की मौत दर्ज की गई है। इस दौरान राज्य में 1007 मकान आंशिक या पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए, 185 दुकानें और 785 गौशालाएं तबाह हो चुकी हैं। मंडी जिले में सबसे अधिक 809 घर, 163 दुकानें और 638 गौशालाएं प्रभावित हुई हैं।

यानिक सिनर ने पहला विम्बलडन खिताब जीता, दो बार के गत चैंपियन अल्काराज को हराया

लंदन, एजेंसी। शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी यानिक सिनर ने रविवार को यहां पुरुष एकल के फाइनल में दो बार के गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज को 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर पहला विम्बलडन और चौथा ग्रैंडस्लैल खिताब जीता। इस तरह इटली के खिलाड़ी सिनर ने पांच हफ्ते पहले हुए फ्रेंच ओपन के ऐतिहासिक फाइनल के नतीजे को भी बदल दिया। अब सिनर दूसरी रैंकिंग पर काबिज स्पेनिश खिलाड़ी अल्काराज से कुल ग्रैंडस्लैम खिताब से एक कदम दूर हैं। इस जीत से सिनर ने 22 वर्षीय अल्काराज के लगातार खिताब जीतने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। अल्काराज ने सिनर के खिलाफ पिछले पांच मुकाबले जीते थे जिसमें हालिया जीत आठ जून को रोलां गैरां में लगभग साढ़े पांच घंटे तक चली पांच सेटों की भिड़ंत में आई थी। सिनर ने उस मैच में दो सेट की बढ़त बना ली थी लेकिन जीत हासिल नहीं कर सके। इससे अल्काराज का मेजर फाइनल में स्कोर 5-0 हो गया था।

सिनर ने ऑल इंग्लैंड क्लब में ऐसे मैच में अपनी छाप छोड़ी जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया। हालांकि बीच-बीच में चूक भी हुई। अल्काराज ने सेंटर कोर्ट में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 24 मैच की जीत के साथ उतरे थे। उन्होंने ऑल इंग्लैंड क्लब में लगातार 20 मैच जीते थे जिसमें 2023 और 2024 के फाइनल में नोवाक जोकोविच के खिलाफ जीत भी शामिल है।

विंबलडन में पिछली बार अल्काराज को हराने वाले खिलाड़ी सिनर हैं जिन्होंने 2022 में चौथे दौर में उन्हें शिकस्त दी थी। यह सिनर के लिए एक यादगार जीत साबित हुई जिसने उनकी उस बात को साबित कर दिया कि पेरिस में हारने का कोई असर नहीं होगा। हालांकि यह कल्पना करना मुश्किल है कि रविवार को उस हार का जरा भी ख्याल उनके दिमाग में नहीं था, विशेषकर जब तब चौथे सेट में 4-3, 15-40 के स्कोर पर सर्विस करते हुए उन्हें दो ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा। लेकिन सिनर ने शांति से अगले चार प्वाइंट अपने नाम कर जीत हासिल कर ली। जब सेट खत्म हुआ तो सिनर ने दोनों हाथ अपनी सफेद टोपी पर रख लिए। नेट पर अल्काराज को गले लगाने के बाद सिनर सिर झुकाकर कोर्ट पर झुक गए और फिर अपनी दाहिनी हथेली घास पर रख दी। सिनर ने फ्रेंच ओपन की हार को सच में पीछे छोड़ दिया और दिखा दिया कि अल्काराज के साथ उनका मुकाबला आने वाले वर्षों तक टेनिस प्रशंसकों को खुश कर सकता है।

दिलचस्प बात है कि पिछली सात ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियों को दोनों ने आपस में बांटा है जिसमें पिछली 12 में से नौ ट्रॉफियां शामिल हैं। संयोग से यह पहली बार है जब दो पुरुष खिलाड़ियों ने एक ही वर्ष में रोलां गैरां के क्ले कोर्ट और ऑल इंग्लैंड क्लब के ग्रास कोर्ट पर खिताबी मुकाबले खेले। इससे पहले रोजर फेडरर और राफेल नडाल ने 2006, 2007 और 2008 में ऐसा किया था। सिनर ने पिछले चार मेजर फाइनल में से प्रत्येक में भाग लिया है और यह सिलसिला पिछले सितंबर में अमेरिकी ओपन में जीत के साथ शुरू हुआ और उसके बाद उन्होंने इस जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में एक और जीत हासिल की।

सॉफ्टबाल में शिमला और सिरमौर की दो बेटियां चीन में दिखाएंगी दम

शिमला/सांगला, एजेंसी। शिमला जिले के कोटखाई की कविता ठाकुर और सिरमौर की कृषिका को एशिया कप महिला सॉफ्टबाल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में चुना गया है।

चीन के शियान में होने वाली एशिया कप महिला सॉफ्टबाल चैंपियनशिप में जिला शिमला और सिरमौर की बेटियां हिस्सा लेंगी। कप 14 से 20 जुलाई तक होगा। शिमला जिले के कोटखाई की कविता ठाकुर और सिरमौर की कृषिका को एशिया कप महिला सॉफ्टबाल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। छह दिनों तक चलने वाली चैंपियनशिप में 10 देशों की टीमों के बीच कड़े मुकाबले खेले जाएंगे।

वर्ल्ड कप खेलेंगी शीर्ष दो टीमें शीर्ष दो में स्थान पाने वाली टीमें साल 2026 में होने वाले वर्ल्ड कप वुमन सॉफ्टबाल के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारतीय टीम की नजर न सिर्फ पदक पर बल्कि वर्ल्ड कप के टिकट पर भी टिकी हुई हैं।

साइना नेहवाल अपने पति कश्यप परुपल्ली से होंगी अलग, सोशल मीडिया पर शेयर की भावुक पोस्ट

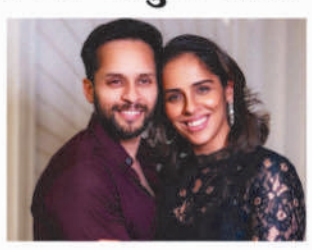

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बैडमिंटन आइकन साइना नेहवाल ने पति और साथी शटलर कश्यप परुपल्ली से अलग होने की घोषणा की है। यह जोड़ा, जो एक दशक से अधिक समय से साथ है और 2018 में शादी के बंधन में बंधा था। साइना ने रविवार को इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक भावुक बयान के माध्यम से अलग होने के अपने फैसले की पुष्टि की। साइना ने कहा, जीवन हमें कभी-कभी अलग दिशाओं में ले जाता है। बहुत सोचने और विचार करने के बाद कश्यप परुपल्ली और मैंने अलग होने का फैसला किया है। हम अपने और एक-दूसरे के लिए शांति, विकास और उपचार का चयन कर रहे हैं। मैं यादों के लिए आभारी हूं और आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं देती हूं। साइना और कश्यप भारत की सबसे प्रमुख बैडमिंटन हस्तियों में से हैं जिन्हें अक्सर टूर्नामेंटों में एक-दूसरे का समर्थन करते और पेशेवर उपलब्धियों का जश्न साथ मिलकर मनाते देखा गया है।

अलगाव का कारण निजी है, साइना के संदेश में आपसी सम्मान और सकारात्मक रूप से आगे बढ़ने के साझा इरादे पर जोर दिया गया है। इस पोस्ट को प्रशंसकों, साथी एथलीटों और शुभचिंतकों का भरपूर समर्थन मिला, जिनमें से कई ने स्थिति को संभालने में दोनों की शालीनता और परिपक्वता की प्रशंसा की। पूर्व विश्व नंबर एक और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल खेलों में भारतीय महिलाओं के लिए एक पथप्रदर्शक रही हैं। कश्यप पारुपल्ली का भी एक विशिष्ट करियर रहा है उन्होंने ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों सहित कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। अलग-अलग निजी यात्राओं पर निकल पड़े साइना और कश्यप दोनों ही बैडमिंटन समुदाय और उसके बाहर अपार सम्मान अर्जित करते हैं।

लिवरपूल ने प्री-सीजन की शुरुआत प्रेस्टन पर 3-1 की जीत के साथ की, जोटा-सिल्वा को दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। लिवरपूल ने अपने 2025-26 प्री-सीजन की शुरुआत डीपडेल में प्रेस्टन नॉर्थ एंड पर 3-1 से जीत के साथ की। यह जीत लिवरपूल के लिए बेहद भावनात्मक थी। लिवरपूल के खिलाड़ी डिओगो जोटा की पिछले सप्ताह स्पेन में एक कार दुर्घटना में मौत हो गई थी। हादसे में जोटा के भाई आंद्रे सिल्वा की भी मौत हो गई थी। मैच शुरू होने से पहले, स्टेडियम का माहौल बेहद भावुक था।

प्रेस्टन और लिवरपूल के खिलाड़ियों ने प्रशंसकों के सामने एक मिनट का मौन रखा और जोटा के लिए पुष्पांजलि अर्पित की। मैच से पहले यू विल नेवर वॉक अलोन का भावपूर्ण लाइव प्रदर्शन हुआ। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बांह पर काली पट्टी बांध रखी थी। 20वें मिनट में, जब दोनों भाइयों की तस्वीर दिखाई गई, तो पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से भर गया। जोटा के लिए भावुक गीत भी गाया गया। डिओगो और आंद्रे को दी जाने वाली श्रद्धांजलि यहीं नहीं रुकी। लिवरपूल के डार्विन नुनेज ने दूसरे हाफ में जोटा के प्रतिष्ठित गोल सेलिब्रेशन की नकल करके अपने गोल का जश्न मनाया, जबकि कोडी गाकपो ने बाद में जोटा की शर्ट नंबर - 20 का इशारा करते हुए अपने गोल का जश्न मनाया, जिससे प्रशंसक खुशी से झूम उठे।

मैदान पर, रेड्स ने शानदार प्रदर्शन किया। कॉनर ब्रैडली ने पहले हाफ के आखिर में स्कोरिंग की शुरुआत की, जिसमें किशोर रियो नुमोहा और फेडेरिको चिएसा ने भी मदद की। ब्रेक के बाद नुनेज ने रक्षात्मक गलती का फायदा उठाकर बढ़त दोगुनी कर दी और गैकपो ने अंतिम मिनटों में प्रेस्टन के लियाम लिंडसे द्वारा एक शक्तिशाली हेडर से गोल करने के बाद तीसरा गोल दागा।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्कॉट बोलैंड ने रचा इतिहास, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत का बनाया रिकॉर्ड

जमैका, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने इतिहास रच दिया है। वह साल 1915 के बाद से 2000 गेंदें फेंकने वाले क्रिकेटर्स में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत वाले टेस्ट खिलाड़ी बन गए हैं। स्कॉट बोलैंड ने यह उपलब्धि सबीना पार्क में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट में हासिल की, जहां उन्होंने 13.1 ओवरों में 34 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए। बोलैंड का टेस्ट में गेंदबाजी औसत 17.33 का है, जो टेस्ट क्रिकेट के पिछले 110 वर्षों (कम से कम 2000 गेंदें) में किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ है। 1900 के बाद से बोलैंड से आगे इस सूची में केवल इंग्लैंड के सिड बार्न्स ही हैं। इनके अलावा बोलैंड से ऊपर मौजूद अन्य छह गेंदबाज 1800 के दशक से हैं। जमैका में ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे तीसरे टेस्ट में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में 225 रन पर ढेर हो गई।

ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टीव स्मिथ ने सर्वाधिक 48 रन बनाए, जबकि कैमरून ग्रीन ने 46 रन की पारी खेली। मेजबान टीम की ओर से शमार जोसेफ ने सर्वाधिक चार विकेट झटके। इसके जवाब में, वेस्टइंडीज की पहली पारी 143 रन पर सिमट गई। टीम के लिए जॉन कैंपबेल ने सर्वाधिक 36 रन बनाए। बोलैंड सर्वाधिक तीन विकेट चटकाने वाले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज रहे। पहली पारी में बढ़त हासिल करने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन की समाप्ति तक दूसरी पारी में छह विकेट खोकर 99 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में कैमरून ग्रीन नाबाद 42 रन बना चुके हैं। दिन की समाप्ति तक दूसरे छोर पर उनके साथ कप्तान पैट कमिंस (5) थे। मेहमान टीम के पास फिलहाल 181 रन की बढ़त है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही इस सीरीज पर 2-0 से अपना कब्जा कर चुका है। ऐसे में वेस्टइंडीज के पास इस मुकाबले को जीतकर सम्मान बचाने का मौका है।

मुंबई इंडियंस का वर्चस्व कायम

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रेंचाइजी क्रिकेट में मुंबई इंडियंस का झंडा दिन पर दिन बुलंद होता जा रहा है। 17 साल में वह 13 खिताब जीत चुकी है। अमेरिका की मेजर लीग में उसकी टीम एमआई न्यूयॉर्क ने रविवार (13 जुलाई) को वाशिंगटन फ्रीडम को 5 रन से हराकर 2025 में 5 में से तीसरा खिताब अपने नाम किया।

इससे पहले एमआई केपटाउन ने एसए20 का खिताब जीता। वुमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस चैंपियन बनीं। आईएलटी20 में एमआई अमीरात और इंडियन प्रीमियर लीग मुंबई इंडियंस में प्लेऑफ तक पहुंचीं। एमआई न्यूयॉर्क ने मेजर लीग का दूसरी बार खिताब जीता। इससे पहले उसने 2023 में यह खिताब जीता था। मुंबई इंडियंस की फ्रेंचाइजी 14 साल से फाइनल नहीं हारी है। 2011 में उसकी टीम पहली बार फाइनल में पहुंची थी।

लगातार 13वां फाइनल जीता:

सचिन तेंदुलकर की कप्तानी में आईपीएल 2011 में मुंबई इंडियंस को हराकर चेन्नई सुपर किंग्स चैंपियन बनी थी। इसके बाद से वह 13 बार फाइनल खेली है और हर बार जीती है। आईपीएल वाली मुंबई इंडियंस की टीम 7 ट्रॉफी जीती है। आईपीएल का 5 बार और चैंपियंस लीग का दो बार खिताब जीता है। इसके अलावा डब्ल्यूपीएल और एमएलसी का 2-2 खिताब जीता है। आईएलटी और एसए 20 में का एक बार खिताब जीता है।

एमआई न्यूयॉर्क ने वाशिंगटन फ्रीडम को 5 रन से हराया

एमएलसी 2025 के फाइनल की बात करें तो एमआई न्यूयॉर्क ने 5 रन से जीत दर्ज की। वाशिंगटन फ्रीडम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। क्विंटन डिकॉक के 77 रन की पारी के बदौलत एमआई न्यूयॉर्क ने 7 विकेट पर 180 रन बनाए। वाशिंगटन फ्रीडम रचिन रविंद्र की 70 रन की पारी के बाद भी 5 विकेट पर 175 रन ही बना पाई।

चेल्सी ने पीएसजी को हराकर फीफा क्लब विश्व कप जीता

न्यू जर्सी, एजेंसी। कोल पाल्मर के शानदार प्रदर्शन की बदौलत चेल्सी ने सोमवार को पेरिस सेंट-जर्मेन पर 3-0 की शानदार जीत के साथ फीफा क्लब विश्व कप अपने नाम किया। मेटलाइफ स्टेडियम में हुए इस धमाकेदार फाइनल में, पाल्मर ने शुरुआती हाफ में आठ मिनट के अंतराल में दो गोल किए। मुकाबले के 22वें मिनट मॉलो गुस्टो की मदद से पाल्मर ने पहला गोल दागा।

इसके बाद 30वें मिनट पाल्मर ने एक बार फिर गोल करते हुए टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। जोआओ पेड्रो ने मुकाबले के 43वें मिनट गोल दागते हुए टीम की बढ़त को 3-0 कर दिया। जोआओ पेड्रो के इस गोल ने चेल्सी की जीत को लगभग पक्का कर दिया था। पीएसजी की टीम इस पूरे मुकाबले में कोई गोल नहीं दाग सकी। चेल्सी 17 गोल के साथ टूर्नामेंट में शीर्ष स्कोरर रही। यह मुकाबला करीब 81 हजार दर्शकों से भरे स्टेडियम में खेला गया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल थे। फाइनल में पहली बार हाफ-टाइम शो का आयोजन किया गया, जिसने मुकाबले को सुपर बाउल जैसा अनुभव दिया। ट्रंप ने विजेता टीम को ट्रॉफी दी। क्लब को इस जीत के साथ करीब 125 मिलियन अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि भी मिली।चेल्सी ने दूसरी बार क्लब ट्रॉफी अपने नाम की है।

इससे पहले उसने साल 2021 में खिताब जीता था। पीएसजी की टीम इस खिताब को जीत नहीं सकी, लेकिन चैंपियंस लीग और फ्रेंच लीग कप डबल जीतना, उसके सीजन की बड़ी उपलब्धि रही है। चेल्सी के युवा खिलाड़ी कोल पाल्मर को गोल्डन बॉल से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड टूर्नामेंट के बेस्ट खिलाड़ी को दिया जाता है। इस टूर्नामेंट में पाल्मर ने तीन गोल के साथ दो असिस्ट भी किए। वहीं, चेल्सी के गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज को गोल्डन ग्लव पुरस्कार मिला।

कबड्डी विश्वकप खेल सकती हैं हिमाचल की 5 से 6 बेटियां, अंतिम कोचिंग कैंप के लिए हुआ चयन

धर्मशाला, एजेंसी। कबड्डी विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के लिए अंतिम कोचिंग कैंप में हिमाचल की छह खिलाड़ियों का चयन हुआ है। भारत में होने वाले कबड्डी विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के लिए अंतिम कोचिंग कैंप में हिमाचल की छह खिलाड़ियों का चयन हुआ है।

उम्मीद जताई जा रही है कि इनमें से पांच से छह खिलाड़ियों को भारतीय टीम में जगह मिल सकती है। ये सभी खिलाड़ी फाइनल कोचिंग कैंप में भाग लेंगी और अपने खेल के दम पर टीम में जगह बनाने का प्रयास करेंगी। पहले विश्व कप जुलाई में होना प्रस्तावित था। इस बीच कुछ कारणों से अब इसे अगस्त में आयोजित किया जा रहा है।

यह प्रतियोगिता अब 3 से 10 अगस्त तक हैदराबाद में होगी। इससे पूर्व एशियन कबड्डी चैंपियनशिप में भी पांच खिलाड़ियों पुष्पा, ज्योति, भावना, साक्षी और रितु नेगी ने भारतीय टीम की ओर से स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय खेल प्राधिकरण धर्मशाला की कबड्डी खिलाड़ी पूजा ठाकुर ने बताया कि महिला कबड्डी विश्व कप के लिए आयोजित अंतिम कोचिंग कैंप में प्रदेश की छह खिलाड़ियों का चयन हुआ है। इनमें से चार खिलाड़ी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस धर्मशाला में प्रशिक्षण ले रही हैं।

विंबलडन 2025: वेरोनिका कुदेरमेतोवा और एलिस मर्टेंस ने महिला युगल खिताब जीता

लंदन, एजेंसी। 8वीं वरीयता प्राप्त वेरोनिका कुदेरमेतोवा और एलिस मर्टेनस ने विंबलडन 2025 के महिला युगल का खिताब जीत लिया। इस जोड़ी ने चौथी वरीयता प्राप्त सीह सु-वेई और जेलेना ओस्टापेंको को 3-6, 6-2, 6-4 से हराया। पहला सेट हारने के बाद, कुदेरमेतोवा और मर्टेन्स ने दृढ़ता दिखाई और दूसरे सेट में हसीह की सर्विस दो बार तोड़कर मैच बराबरी पर ले आईं। कुदेरमेतोवा के नेट प्ले और मर्टेन्स की बेसलाइन पर लगातार स्थिरता ने मैच का रुख उनके पक्ष में मोड़ना शुरू कर दिया।

तीसरे सेट में एक और मोड़ आया जब हसीह और ओस्टापेंको ने 4-2 की बढ़त बना ली, लेकिन आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने वापसी की। कुदेरमेतोवा ने चैंपियनशिप पॉइंट पर वॉली विनर के साथ जीत पक्की की और अंततः डब्ल्यूटीए के अनुसार अपना पहला ग्रैंड स्लैम युगल खिताब जीता। यह जीत कुदेरमेतोवा के लिए विशेष महत्व रखती है, जो 2021 के विंबलडन फाइनल में बुरी तरह से हार गई थीं। इस बीच, उनकी जोड़ीदार मर्टेन्स ने अपना पांचवां प्रमुख युगल खिताब और विंबलडन में अपना दूसरा खिताब हासिल किया।

FIFA Club World Cup:

ट्रंप ने चेल्सी की जीत के जश्न में डाला खलल! ट्रॉफी सौंपने के बाद पोडियम से हटे ही नहीं

ईस्ट रदरफोर्ड (अमेरिका), एजेंसी। ट्रंप ने विजेता टीम चेल्सी को ट्रॉफी तो सौंपी, लेकिन पोडियम से हटने को तैयार ही नहीं हुए। फिर फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो उन्हें पोडियम पर ही पीछे के हिस्से में ले गए। इस घटना ने न सिर्फ फैंस को, बल्कि चेल्सी के खिलाड़ियों को भी चौंका दिया।

कोल पामर के दो गोल और जोआओ पेड्रो के एक गोल की मदद से चेल्सी ने यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को 3-0 से हरा कर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। फीफा क्लब विश्व कप का फाइनल किसी फिल्म से कम नहीं रहा। इसमें रोमांच, ड्रामा, मारपीट..सब देखने को मिला। मैच के दौरान पीएसजी और चेल्सी के खिलाड़ी और स्टाफ आपस में भिड़ गए। वहीं, एक अप्रत्याशित चीज भी हुई। अमेरिका के ईस्ट रदरफोर्ड में हुए इस मैच को देखने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी पहुंचे थे। उन्होंने विजेता टीम चेल्सी को ट्रॉफी तो सौंपी, लेकिन पोडियम से हटने को तैयार ही नहीं हुए। फिर फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो उन्हें पोडियम पर ही पीछे के हिस्से में ले गए। इस घटना ने न सिर्फ फैंस को, बल्कि चेल्सी के खिलाड़ियों को भी चौंका दिया। मैच में क्या हुआ? ामर ने 22वें और 30वें मिनट में पेनल्टी क्षेत्र के अंदर से बाएं पैर से लगभग एक जैसे गोल किए। इसके बाद उन्होंने तीसरा गोल करने में भी मदद की। उनके पास पर जोआओ पेड्रो ने 43वें मिनट में गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा को छकाकर गोल किया जो दो जुलाई को चेल्सी से जुड़ने के बाद इंग्लैंड के इस क्लब की तरफ से उनका तीसरा गोल रहा। दो साल पहले मैनचेस्टर सिटी से चेल्सी में शामिल हुए 23 वर्षीय पामर ने इस सत्र में 18 गोल किए। पीएसजी ने अपनी तरफ से वापसी के हर संभव प्रयास किए, लेकिन चेल्सी की मजबूत रक्षा पंक्ति के सामने उसकी एक नहीं चली।

ध्रुव चरित्र सुनकर भाव विभोर हुये श्रोता

शहर के श्री जुगुल किशोर जी मंदिर में संगीतमय भागवत कथा के तीसरे दिन भक्तों का उमड़ा जनसैलाब

पन्ना। शहर के श्री जुगुल किशोर जी मंदिर में चल रही संगीतमय भागवत कथा के तीसरे दिन कथावाचक कमल नयन महाराज ने कहा कि मनुष्य जीवन में जाने अनजाने प्रतिदिन कई पाप होते है। उनका ईश्वर के समक्ष प्रायश्चित करना ही एक मात्र मुक्ति पाने का उपाय है। उन्होंने ईश्वर आराधना के साथ अच्छे कर्म करने का आह्वान किया। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन कथा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने जीवन में सत्संग व शास्त्रों में बताए आदर्शों का श्रवण करने का आह्वान करते हुए कहा कि सत्संग में वह शक्ति है, जो व्यक्ति के जीवन को बदल देती है। उन्होंने कहा कि व्यक्तियों को अपने जीवन में क्रोध, लोभ, मोह, हिंसा, संग्रह आदि का त्यागकर विवेक के साथ श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए। व्यासपीठाधीश्वर ने भागवत कथा के दौरान कपिल चरित्र, सती चरित्र, ध्रुव चरित्र, जड़

भरत चरित्र, नृसिंह अवतार आदि प्रसंगों पर प्रवचन करते हुए कहा कि भगवान के नाम मात्र से ही व्यक्ति भवसागर से पार उतर जाता है। उन्होंने भगवत कीर्तन करने, ज्ञानी पुरुषों के साथ सत्संग कर ज्ञान प्राप्त करने व अपने जीवन को सार्थक करने का आह्वान किया। भजन मंडली की ओर से प्रस्तुत किए गए भजनों पर श्रोता भाव विभोर होकर नाचने लगे।

श्री जुगुल किशोर जी मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन कथा वाचक श्री कमल नयन महाराज ने कहा कि वैराग्य मानव को ज्ञानी बनाता है। वैराग्य में मानव संसार में रहते हुए भी सांसारिक मोहमाया से दूर रहता है। उन्होंने वाराह अवतार सहित अन्य प्रसंगों पर प्रवचन किए। इससे पूर्व यजमान द्वारा पूजा-अर्चना की गई।

महाराज ने भक्त नरसी मेहता के जन्म, उनकी श्रीकृष्ण के प्रति भक्ति सहित अन्य प्रसंगों पर प्रवचन किए। 14 जुलाई को भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव की कथा की जायेगी ।समस्त श्री जुगुल किशोर शिष्य मंडल द्वारा शहर के समस्त भागवत प्रेमी माताओं बहनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ उठाने की अपील की है ।

नगर के सिंचाई कॉलोनी वार्ड नंबर 12 के बुरे हालात

गंदगी का लगा अंबार नालिया ना होने के कारण भर रहा पानी

पन्ना। पन्ना नगर में नगर पालिका की उदासीनता के चलते अनेक वार्डों की हालत बहुत खराब है जहां एक ओरजगह-जगह गंदगी के अंबार लगे हुए हैं वहीं दूसरी ओर नालियों की सफाई न होने के कारण इस क्षेत्र में रहने वाले लोगों के घरों में पानी भर रहा है व्यवस्थित ढंग से नालियां बनाई जाए तथा पानी निकासी की सही व्यवस्था की जाए लेकिन नगर पालिका द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिससे वार्ड में रहने वाले वार्ड वासी भारी परेशान हो रहे हैं स्थानीय लोगों ने जिला कलेक्टर तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी से वार्ड में साफ सफाई करना एवं पानी निकासी व्यवस्था बनाने तथा सड़कों की मरम्मत करने एवं नालियों में सुधार करने की मांग की गई है।

पैंतीस करोड़ की लागत से बनाए जा रहे सीएम राइस विद्यालय के भवन का घटिया निर्माण

पन्ना। नगर के बाईपास रोड में करोड़ों की लागत से सीएम राइज स्कूल की बिल्डिंग बनाकर लगभग तैयार हो चुकी है। अब केवल फिनिशिंग और पेंटिंग का काम शेष बचा है, लेकिन लोकार्पण से पहले ही इस चार मंजिला सीएम राइज स्कूल की बिल्डिंग की दीवारों में दरारें पड़ने लगी हैं। सड़क से बिल्डिंग तक बनाई गई सीसी रोड भी फटने लगी है, निर्माण एजेंसी और ठेकेदार के द्वारा मिलकर किए गए इस महा भ्रष्टाचारी के सबूतों को सीमेंट के घोल और पीओपी के लेप से छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। बताया गया है कि पन्ना नगर में सीएम राइज स्कूल की बिल्डिंग के निर्माण का काम लेने वाले ठेकेदार के द्वारा कई पेटी कॉन्टैक्टर्स को थोड़ा-थोड़ा काम बांट दिया गया है कुछ ठेकेदार तो ऐसे बताए गए हैं जिनके द्वारा आज तक स्वच्छ भारत मिशन के शौचालय और पीएम आवास से ज्यादा का कोई काम नहीं किया गया। स्कूल की बिल्डिंग निर्माण में अब्बल दर्जे का घटिया मटेरियल उपयोग किया गया है। निर्माण के दौरान रेत के ढेर लगे रहे

रेत का ढेर केवल देखने के लिए था डस्ट का उपयोग खुलेआम होता रहा, इसके अलावा सीमेंट और सरिया भी घटिया उपयोग किए जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। बताया जा रहा है कि स्कूल की बिल्डिंग की गुणवत्ता की उच्च स्तरीय जांच की जाए तो बड़ा भ्रष्टाचार उजागर हो सकता है, अधिक मुनाफा के लालच में हजारों बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले सीखचों के पीछे जाना चाहिए अब देखना यह होगा की जिम्मेदार वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा इस मामले में निष्पक्ष जांच करवाई जाती है या फिर जांच के नाम पर लीपापोती करवा दी जाती है। ज्ञात हो कि पन्ना नगर में अनेक भवन करोड़ों की लागत से बनाए जा रहे हैं लेकिन उनकी गुणवत्ता बहुत ही घटिया है तथा व्यापक स्तर पर निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार किया जा रहा है अनेकों बार समाचार पत्रों में मामले प्रकाशित किए जाते हैं लेकिन उसके बाद भी संबंधितों पर कोई कार्यवाही नहीं की जाती है जिससे उनके हौसले बुलंद हैं स्थानीय लोगों ने उक्त मामले की जांच कराए जाने तथा कार्यवाही करने की मांग की है।

एक ही बारिश में बह गई घटिया निर्माण की सड़क पुलिया भी हुई धराशाई

पन्ना। लोक निर्माण विभाग के अधिकारी और ठेकेदार मिलकर भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ने में लगे हैं। ताजा मामला बिलखुरा-पाठा सड़क निर्माण का बताया जा रहा है जहां बिना वर्क आर्डर के द्वारा संतोष गुप्ता ठेकेदार के द्वारा शुरू किए गए काम के बाद अधिक मुनाफा के लालच में सड़क का निर्माण दूसरी जगह स्वीकृत होने के बावजूद तालाब की मेड़ में कर दिया गया, गांव वालों के द्वारा तालाब क्षतिग्रस्त होने की आशंका जताते हुए विरोध करने के बावजूद ठेकेदार ने तालाब की पिचिंग खुदवा कर सड़क में लगा दी,

शिकायत पर कार्यवाही नहीं होने पर ठेकेदार की मनमानी जारी रही, नतीजा 11-12 जुलाई 2025 की रात हुई मूसलाधार बारिश में सड़क सहित पुलिया भी बह गई, तेज बहाव की चपेट में आने से एक भैंस की भी मृत्यु हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि जहां पुल की आवश्यकता थी वहां केवल 2 ह्युम पाइप डालकर छोटी सी पुलिया बना दी गई जो पहली बारिश में बह गई, अपने काले कारनामे छिपाने के लिए ठेकेदार संतोष गुप्ता के द्वारा पूरी सड़क को ट्रैक्टर कल्टीवेटर से जुतवा दिया गया ताकि मौके तक पत्रकार ना पहुंच सकें, लेकिन कहावत ही बनी है जहां न पहुंचे कार वहां पहुंचे पत्रकार, पत्रकारों की टीम कड़ी मशक्कत से मौके तक पहुंच गई और ठेकेदार के काले कारनामों की पोल खुल गई। अब देखना यह होगा कि इस मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है।

पहली बारिश में बह गया वन विभाग का तालाब

पन्ना। वन विभाग अजयगढ़ के अंतर्गत दमचुआ बीट अंतर्गत राहुनिया के जंगल में लाखों रुपये की लागत से निर्मित तालाब पहली ही बारिश में ध्वस्त हो गया, जिससे विभाग के भ्रष्टाचार और लापरवाही की पोल खुल गई है। यह तालाब अप्रैल 2025 में बनाया गया था, लेकिन इसकी गुणवत्ता इतनी खराब थी कि यह पहली बारिश का दबाव भी सहन नहीं कर सका ।स्थानीय लोगो ने बताया कि तालाब के निर्माण में निम्न गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया गया, जिसके चलते यह बारिश के पानी के साथ बह गया। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग के बीटगार्ड रामनरेश राजपूत व डिप्टी रेंजर मुकेश मिश्रा के द्वारा निर्माण कार्य में धन का

दुरुपयोग किया। इस तालाब का उद्देश्य जंगल में वन्यजीवों के लिए जल उपलब्ध कराना और आसपास के किसानों के जानवरो की आवश्यकताओं को पूरा करना था, लेकिन अब यह पूरी तरह बर्बाद हो चुका है।

लोगो ने कहा, लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी तालाब एक बारिश भी नहीं झेल सका। यह वन विभाग की लापरवाही और भ्रष्टाचार का स्पष्ट प्रमाण है। एक अन्य रहवासी ने बताया कि निर्माण के दौरान कोई उचित निगरानी नहीं की गई, और मनमाने ढंग से काम किया। ओर बताया गया है कि वन विभाग की खकरी में लगे पत्थरो का इस्तेमाल तालाब में किया गया है वन विभाग के अधिकारियों से जब इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने मामले की जांच का आश्वासन दिया।

रेंजर ने कहा, हमें तालाब के टूटने की जानकारी मिली है। हम इसकी जांच कर रहे हैं, और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, लोगो का कहना है कि यह केवल खानापूर्ति है, और पहले भी ऐसे मामलों में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई ।यह घटना वन विभाग के तालाब निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार का एक और उदाहरण है। पहले भी कई खबरें सामने आ चुकी हैं, जहां वन विभाग द्वारा बनाए गए तालाब या तो पानी रोकने में असफल रहे या भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गए। विशेषज्ञों का कहना है कि बिना सामुदायिक भागीदारी और उचित निगरानी के ऐसे प्रोजेक्ट्स का सफल होना मुश्किल है प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की उच्च स्तरीय जांच हो, और दोषी अधिकारियों व ठेकेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही, तालाब के पुनर्निर्माण के लिए पारदर्शी प्रक्रिया अपनाने की मांग भी उठ रही है।

ट्रक की टक्कर से तीन की मौत, गांव में मातम का माहौल

पन्ना। जिले के शाहनगर थाना अंतर्गत कटनी रोड पर हुए भीषण सड़क हादसा में गांव के तीन युवकों की मौत हो गई जानकारी के अनुसार ग्राम रोहनिया के निवासी तीन युवक जो प्रतिदिन कटनी मजदूरी करने जाते थे वह मोटरसाइकिल से वापस रात्रि के समय अपने घर आ रहे थे इस दौरान ग्राम अमर के पास एक ट्रक चालक द्वारा लापरवाही पूर्वक ट्रक चलाते हुए टक्कर मार दी जिसमें तीनों घटनास्थल पर मौत हो गई मृतकों में धनु पिता जुड़िया चौधरी उम्र 35 वर्ष शुरू रजक पिता जमुना रजक उम्र 30 वर्ष पुष्पेंद्र पाल पिता रघुनाथ पाल 35 वर्ष की मौत हुई है घटना की जानकारी मिलने का परिजनों को सूचना दी गई मामला कटनी जिले का होने के कारण कुण्ठला थाना पुलिस ने तीनों मृतकों का पोस्टमार्टम कराया है तथा शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं।

नायब तहसीलदार के ऊपर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश का आरोपी इटारसी से गिरफ्तार

सतना। रामनगर पुलिस ने नायब तहसीलदार के ऊपर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश में मामले में फरार चल रहे 5 हजार के इनामी आरोपी रावेन्द्र बैस उर्फ नेपाली पिता रामयश बैस 40 साल निवासी मझटोलवा को साइबर सेल की टीम की मदद से इटारसी के रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया। घटना में प्रयुक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली भी जब्त की गई है।

पुलिस के मुताबिक नायब तहसीलदार रोशनलाल रावत 4 जुलाई को सुबह तकरीबन 11 बजे पटवारियों की टीम के साथ मुन्नी बाई रजक की शिकायत पर एक आम निस्तारी रास्ते को

अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई के लिए कुबरी गांव गए हुए थे। उनके आगे रेत से लोड एक ट्रैक्टर जा रहा है। ट्रैक्टर को एक नाबालिग चला रहा था।

नायब तहसीलदार की गाड़ी देखकर ट्रैक्टर चालक और स्पीड से भागने की कोशिश करने लगा। इसी दौरान आगे से एक चार पहिया वाहन आया तो ट्रैक्टर खड़ा हुआ, लिहाजा नायब तहसीलदार ने ट्रैक्टर की चाबी निकाल ली और जहां सीमांकन होना था, चले गए थे।

इसी बीच आरोपी रावेन्द्र बैस आया और ट्रैक्टर को डायरेक्ट स्टार्ट कर नायब तहसीलदार के ऊपर चढ़ाने की कोशिश की थी। नायब तहसीलदार ने छलांग लगाकर जान बचाई थी। लेकिन पास ही खड़े एक ग्रामीण रामऔतार रजक चपेट में आने से चोटिल हो गए थे।

सौच के लिए गई महिला लापता, पति ने कोतवाली थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट कराई दर्ज

पन्ना। पन्ना नगर के बेनीसागर मोहल्ला निवासी अजय बाल्मिक ने कोतवाली थाना में गुमशुदगी दर्ज कराते हुए बताया कि मेरी पत्नी काजल शौच क्रिया के लिए घर से गई थी तथा वह एक दिन बीत जाने के बाद भी घर नहीं पहुंची है आखिर कहां चली गई अनेक स्थानों पर खोज की गई लेकिन उसका कोई पता नहीं चल रहा है पुलिस ने अजय की रिपोर्ट पर गुमशुदगी का मामला काम कर लिया है तथा महिला की तलाश की जा रही है।

बैजनाथ का मिला शव, परिजनों का रो रोकर बुरा हाल

पन्ना। पवई थानांतर्गत मुड़वारी की गुडने नदी के तेज बहाव के कारण शनिवार को बैजनाथ लोधी उम्र 58 वर्ष लकड़ी पकड़ते समय बह गया था जिसके शव को मुड़वारी के पटपरा घाट के रपटे से बहता देखा गया, शव को देखते ही मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने इसकी सूचना कल से ढूंढ रही एसडीईआरएफ की टीम को दी, तत्पश्चात ग्रामीणों की मदद से शव को कमटहा घाट के समीप नदी के बाहर निकाल लिया गया। जैसे ही मृतक बैजनाथ के शव के मिलने की सूचना परिजनों और ग्रामीणों को मिली, सैकड़ो की संख्या में लोग नदी किनारे पहुंच गए। वहीं मृतक परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। बैजनाथ के नदी में बहने के बाद प्रशासनिक हमला भी पूरी तरह से मुस्तैद रहा। गुनौर एसडीएम रामनिवास अहिरवार, तहसीलदार रत्न राशि पांडे, पवई थाना प्रभारी राम हर्ष सोनकर अपने दल बल के साथ पहुंचे । इस मौके पर सरपंच अरविंद दहायत, पूर्व सरपंच भगवतदीन सिंगरौल, राहुल शर्मा, भगीरथ लोधी, सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे। पवई पुलिस द्वारा बैजनाथ के शव को पोस्टमार्टम के लिए पवई ले जाया गया पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पीएम शा कन्या हाई स्कूल गुंनौर की शिक्षण व्यवस्था चौपट, शिक्षक नहीं पढ़ा रहे छात्रों को

पन्ना। पन्ना जिले की शैक्षणिक व्यवस्था लगातार पटरी से उतर रही है जबकि जिला शिक्षा अधिकारी रवि प्रकाश खरे व्यवस्था सुधार में का लगातार प्रयास कर रहे हैं लेकिन अनेक विद्यालय में पदस्थ शिक्षक सुधारने का नाम ही नहीं ले रहे इसी प्रकार का मामला गुनौर विकासखंड अंतर्गत मुख्यालय गुनौर का प्रकाश में आया है जहां पर कन्या हाई स्कूल की व्यवस्था लचर है पीएम श्री कन्या हाई स्कूल में पदस्थ प्रभारी प्राचार्य काकोई नियंत्रण नहीं है शिक्षक समय पर पीरियड नहीं लेते हैं अभी तक छात्राओं को पुस्तके नहीं बांटी गई है शिक्षक न समय से नहीं आ रहे अभिभावकों ने बताया की एडमिशन भी नहीं कर रहे परेशान कर रहे अखलेश कुमार गुप्ता एडमिशन प्रभारी 11 बजे के बाद आते हैँ और 3 =30 बजे स्कूल से भाग जाते हैं ऐसा ही हाल वहां पर कार्यरत अथिति शिक्षक जीतेन्द्र द्विवेदी जो हिंदी विषय से अतिथि शिक्षक है।

जिसने आज तक एक भी पीरियड नहीं लिया गया जो गंभीर चिंता का विषय हैं वहां पर प्रयोग शाला सहायक से माध्यमिक शिक्षक (अंग्रेजी)बने विषय से सुनील पाठक जो न पढ़ाते हैं और न पढ़ाने देते हैँ सबसे कहते हैँ की में ही हूँ प्राचार्य यहाँ का स्थानीय लोगों ने बताया की एक शिक्षक सुनील पाठक के कारण पूरे स्कूल का माहौल ख़राब है जो सबसे जूनियर होते हुए प्राचार्य बनना चाहता है आये दिन संकुल और बी.ओ. ऑफिस के चक्कर लगा रहा अंग्रेजी के कक्षा 9 वीं और 10 के पीरियड नहीं ले रहा है प्रवेश के लिए छात्राएं और अभिभावक भटक रहे हैँ स्थानीय लोगों ने वरिष्ठ अधिकारियों से कार्यवाही की मांग की है।

व्यापारी संघ के समर्थन में उतरी नगरपालिका उपाध्यक्ष, कहा अतिक्रमण अब बर्दाश्त नहीं

मैहर। जब से मैहर जिला बना है शहर की हालत खराब होती जा रही है चाहे सफाई व्यवस्था हो या सड़कों पर अतिक्रमण या फिर यातायात व्यवस्था हो सब चरमराई हुई है। व्यापारी संगठन कई माह से लगातार इन समस्याओं को उठाता रहा है लेकिन हालत जस के तस बने हुए हैं और अब तो अपने ही अध्यक्ष और नगरपालिका प्रशासन के रवैए से नाराज़ उपाध्यक्ष शीतल नितिन ताम्रकार ने व्यापारियों की समस्याओं के समर्थन में अपने ही महकमे के खिलाफ आवाज उठाई है उनका कहना है कि शहर में फैले अतिक्रमण से अब आम जनता व्यापारी सभी परेशान है कई बार यह मामला सीएमओ और अध्यक्षा के संज्ञान में लाया गया लेकिन केवल आश्वासन ही मिला आज तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं

हुई जिस कारण शहर का व्यापारी वर्ग एवं आम जनता खासी परेशान है। हमारा मैहर व्यापारी संघ अतिक्रमण के मामले में जो भी निर्णय लेगा जैसा कि मुझे जानकारी मिली है कि प्रशासन को तीन दिन का अल्टिमेटम अतिक्रमण हटाने के लिए दिया जायेगा और अगर इसके बाद भी अतिक्रमण पर ठोस कार्यवाही नहीं हुई तो पूरा शहर बंद होगा और नगरपालिका से लेकर जिला प्रशासन का घेराव किया जाकर अनिश्चित कालीन जन आंदोलन किया जायेगा। शीतल नितिन ताम्रकार ने कहा कि हद हो गई निठल्ले पन की शहर की तमाम सड़के अतिक्रमण से पटी पड़ी है लोगो का सड़कों में चलना मुहाल हो रहा है पैदल चलने ने लोगों को सोचना पड़ रहा है ओवर ब्रिज सब्जी मंडी बन गई है जिसकी जहां जैसी मर्जी दुकान सजा लेता है पूरा प्रशासन सब कुछ देख रहा है लेकिन किसी में हिम्मत नहीं कार्यवाही कर सके। अब व्यापारियों और आम जनता ने मन बना लिया है कि अब यह पुण्य कार्य स्वयं के हाथों से करेगी इस दौरान होने वाली किसी भी घटना दुर्घटना की जिम्मेवार जिला कलेक्टर होंगी सीएमओ नगरपालिका होंगी उन्होंने कहा कि अब अतिक्रमण हम बर्दाश्त नहीं करेंगे जो भी लड़ाई लड़नी पड़ेगी हम तैयार है जेल जाना पड़ेगा तो जायेंगे लेकिन अब यह होने नहीं देंगे।

छात्र परिषद की अहम बैठक संपन्न

मैहर। छात्र परिषद की स्थानीय कार्यकारिणी की अहम बैठक स्थानीय सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैहर में आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता छात्र परिषद के जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार ने की । उक्त आयोजित बैठक में नवीन कार्यकारिणी के गठन पर चर्चा की गई और सभी विद्यार्थियों से अपने स्कूल और कॉलेज की नवीन कार्यकारिणी बनाने हेतु कहा गया साथ ही बैठक में आगामी कार्यक्रम रक्षाबंधन उत्सव मनाने की योजना भी तैयार की गई जिसके तहत 3 अगस्त 2025 रविवार को उक्त कार्यक्रम आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया जिसमें नगर के समस्त विद्यालयों एवं महाविद्यालय के कक्षा 9 से

महाविद्यालय स्तर तक के विद्यार्थी शामिल होंगे और इस रक्षाबंधन उत्सव कार्यक्रम में राखी बनाकर थाली सजाएंगे । एक घंटे के कार्यक्रम के पश्चात मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसमें प्रथम द्वितीय तृतीय पुरस्कार के साथ-साथ तीन सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे और समस्त प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे । उक्त कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु अमृता पांडे , शिवानी गुप्ता, शिक्षा पटेल, प्राची गौतम, रेशमा गुप्ता , कशिश पटेल और सरस्वती पटेल को नियुक्त किया गया ।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, मंगलवार 15 जुलाई 2025 | 8

केन्द्रीय जेल रीवा में बरसात के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए चर्म रोग से संबंधित बीमारियों के बचाव एवं निदान हेतु श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के चर्मरोग विभाग के 10 सदस्यीय चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम द्वारा विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

इंजीनियरिंग कॉलेज के सुदृढ़ीकरण से विंध्य क्षेत्र के समग्र विकास को मिलेगी गति : उप मुख्यमंत्री

रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज की दीर्घकालिक विकास योजना पर विस्तृत चर्चा कर दिए निर्देश

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज विंध्य क्षेत्र का एक प्रमुख तकनीकी शिक्षण संस्थान है, जिसकी सुदृढ़ता न केवल क्षेत्रीय तकनीकी शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाएगी, बल्कि विंध्य क्षेत्र के समग्र विकास को भी गति देगी। उन्होंने कहा कि रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के तकनीकी सशक्तिकरण से आने वाले समय में विंध्य अंचल उच्च शिक्षा के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित होगा। यह संस्थान स्थानीय युवाओं की आकांक्षाओं को साकार करने के साथ-साथ प्रदेश की तकनीकी क्षमताओं को भी विस्तार देगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज की दीर्घकालिक विकास योजना पर

विस्तृत चर्चा की। बैठक में प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा श्री विवेक पोरवाल एवं रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर.पी. तिवारी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार तकनीकी शिक्षा को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करने हेतु दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि शिक्षण गुणवत्ता के लिए योग्य शिक्षकों की भर्ती अहम है। उन्होंने निर्देश दिए कि वर्तमान पाठ्यक्रम के विधिवत संचालन के लिए स्वीकृत पदों की पूर्ति के साथ नवीन पाठ्यक्रम के लिए विषय विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का आधार उत्कृष्ट शिक्षण संकाय होता है। सभी विभागों में योग्य, अनुभवी एवं नवाचारोन्मुख फैकल्टी की शीघ्र भर्ती की जाए ताकि छात्रों को वैश्विक स्तर की तकनीकी शिक्षा मिल सके। इसके लिए रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज को विभाग आवश्यक सहयोग प्रदान करे। समय की मांग अनुसार नवीन कोर्स का संचालन करें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि प्रस्तावित योजनाओं को शीघ्र अनुमोदन की प्रक्रिया में लाया जाए। प्राचार्य डॉ. तिवारी ने कॉलेज की 5 वर्षीय एवं 20 वर्षीय सुदृढ़ीकरण योजना प्रस्तुत की। उन्होंने 88.30 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक पाठ्यक्रमों की शुरुआत, अधोसंरचना विकास और अन्य सुविधाओं के विस्तार का रोडमैप प्रस्तुत किया। प्रस्तावित योजना में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिकल व्हीकल टेक्नोलॉजी, ऑटोमेशन एवं फायर टेक एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग जैसे समसामयिक विषयों में 5 नवीन यूजी प्रोग्राम तथा साइबर सिक्योरिटी, कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी, डिजिटल कम्युनिकेशन, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीन डिजाइन, इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, एडवांस प्रोडक्शन सिस्टम सहित 9 पीजी प्रोग्राम प्रारंभ किए जाने का प्रस्ताव शामिल है। साथ ही 17.53 करोड़ रुपये की लागत से सेंट्रल लाइब्रेरी, 12.33 करोड़ रुपए लागत से स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और 1.45 करोड़ रुपए लागत से इन्क्यूबेशन सेंटर के निर्माण कार्य विकास योजना में शामिल है।

सीएम हेल्पलाइन की रैंकिंग में सभी विभाग ए ग्रेड में रहना सुनिश्चित करें

बाढ़ प्रभावितों को एक सप्ताह में राहत राशि प्रदान करें : कलेक्टर

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों सहित राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि चालू माह में जारी होने वाली सीएम हेल्पलाइन की रैंकिंग में सभी विभाग ए ग्रेड में रहना सुनिश्चित करें। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का समाधानपूर्वक निराकरण करते हुए पचास दिवस से अधिक लंबित शिकायतों को शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिये। प्रसूति सहायता की राशि न मिलने अथवा कम मिलने की शिकायतों में समाधानकारक जबाव न दिये जाने पर अधीक्षक संजय गांधी अस्पताल को नोटिस जारी करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिये गये। उन्होंने सीएम डैशबोर्ड की शिकायतों के प्रकरणों को निराकरण करने के निर्देश दिये ताकि रैंकिंग में सुधार हो। बैठक में कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावितों को एक सप्ताह में राहत राशि की उपलब्धता सुनिश्चित करायें। उन्होंने सेप्टिक टैंक व खुले बोरबेल में जल भराव न होने के लिये निर्देशित किया तथा मुनादी कराकर इन्हें बंद रखने के निर्देश दिये। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में क्लोरीन का छिड़काव किये जाने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिये गये। फार्मर रजिस्ट्री में अपेक्षित प्रगति न होने पर आगामी आदेश तक तहसीलदारों का वेतन आहरण रोके जाने के निर्देश कलेक्टर द्वारा बैठक में दिये गये। उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम अभियान अन्तर्गत प्रतिदिवस किये जाने वाले वृक्षारोपण की रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा अधिकारियों द्वारा विद्यालयों के भ्रमण के उपरांत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के दिये बैठक में दिये। इस दौरान आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, समस्त एसडीएम, सीईओ जनपद तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण देने के लिए अतिथि व्याख्याताओं से 25 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

रीवा। अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र रीवा में प्रशिक्षण देने के लिए अतिथि व्याखाताओं से आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। इस संबंध में संस्था के प्राचार्य ने बताया कि प्रशिक्षण केन्द्र में अनुसूचित जाति तथा जनजाति के अभ्यर्थियों को राज्य सिविल सेवा परीक्षा, बैंकिंग, रेलवे, एसएससी तथा मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण दिया जाना है। इन प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए योग्य एवं अनुभवी व्याख्याताओं से आगामी 25 जुलाई तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। निर्धारित अर्हता रखने वाले इच्छुक आवेदक अपने आवेदन पत्र शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव प्रमाण पत्रों की प्रमाणित छायाप्रति के साथ कार्यालयीन समय में कार्यालय में जमा कर सकते हैं। आवेदन पत्र केन्द्र के ईमेल पीईटीसीआईडब्ल्यूए एट द रेट जीमेल डॉट कॉम अथवा रजिस्टर्ड डाक से भी भेजा जा सकता है।

प्राचार्य ने बताया कि आवेदक द्वारा आवेदन पत्र में अध्यापन किए जाने विषय एवं संबंधित प्रतियोगी परीक्षा का उल्लेख किया जाना आवश्यक है। आवेदक संबंधित विषय में प्रथम श्रेणी में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की हो अथवा किसी प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान जहाँ से प्रशिक्षणार्थियों का चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में होता रहा हो, में संकाय का सदस्य रहा हो। अतिथि व्याख्याताओं के चयन के लिए गठित समिति द्वारा व्याख्याताओं का पैनल तैयार किया जाएगा। अतिथि व्याख्याताओं को समय-समय पर आयोजित होने प्रशिक्षण में उन्हें व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया जाएगा तथा शासन द्वारा निर्धारित मानदेय का भुगतान किया जाएगा। वर्तमान में प्रतिकालखण्ड के लिए 800 रुपए मानदेय निर्धारित है। एक कालखण्ड कम से कम 90 मिनट का होगा। प्राप्त आवेदन पत्रों में से योग्य उम्मीदवारों का चयन राज्य शासन के निर्देशानुसार केन्द्र में गठित समिति द्वारा किया जाएगा जिसका निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

क्षेत्र में भ्रमण कर निर्माण कार्यों की सतत मानीटरिंग करें

जलमग्न होने वाले पुल और रपटों में तत्काल बैरियर लगाएं : कमिश्नर

रीवा। कमिश्नर कार्यालय में आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। क्षेत्र में भ्रमण करके निर्माण कार्यों की सतत मानीटरिंग करके उसे तय समय सीमा में पूरा कराएं। निर्माण कार्य में भू अर्जन अथवा अन्य किसी तरह की बाधा को समन्वय बनाकर तत्काल दूर करें। निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने वाली निर्माण एजेंसियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें। कमिश्नर ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में गत तीन दिनों में भारी वर्षा हुई है। जिन सड़कों में पुल और रपटे जलमग्न हो जाते हैं उनमें तत्काल बैरियर लगाकर कर्मचारी तैनात करें। पुल में पानी आने पर दोनों

ओर से आवागमन बंद कराएं। अधिक वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों का सर्वे करके इनमें सुधार का कार्य शुरू करें।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि निर्माण कार्य में यदि भू अर्जन की आवश्यकता है तो कार्य स्वीकृत होते ही भू अर्जन की कार्यवाही शुरू कर दें। निर्माण एजेंसी को वर्क आर्डर जारी करने के साथ ही कार्य के लिए आवश्यक भूमि भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं। भू अर्जन के संबंध में कलेक्टर कार्यालय में आयोजित टीएल बैठक में संबंधित अधिकारियों को अवगत कराएं। नागौद, परसमनिया, मैहर मार्ग निर्माण के लिए वन विभाग से समन्वय बनाकर कार्य पूरा कराएं। सीतापुर से बदवार मांग में शेष बचे चार किलोमीटर का कार्य एक माह में पूरा करें। रीवा-प्रयागराज मार्ग में सोहागी घाट में सड़क में सुधार का कार्य तत्काल शुरू कराएं। सभी फोरलेन सड़कों में डिवाइडर में पौधे रोपित कराएं। रोपित पौधों की सुरक्षा के भी उचित प्रबंध करें। विभागीय मद से 243 सड़कों का संभाग के विभिन्न जिलों में निर्माण किया जा रहा है। इनमें से अभी केवल 39 सड़कों का कार्य पूरा हुआ है। शेष 165 प्रगतिरत सड़कों का कार्य समय पर पूरा कराएं।

कमिश्नर ने लोक निर्माण विभाग पीआईयू की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम राइज स्कूल रामपुर बघेलान, उंचेहरा तथा मझगवां में समस्त औपचारिकताएं पूरी करके निर्माण कार्य तत्काल शुरू कराएं। निर्माण कार्यों में जमीन के संबंध में किसी भी तरह की कठिनाई होने पर कलेक्टर को अवगत कराएं। मैहर जिले में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 39 शासकीय आवास मंजूर हुए हैं। इनका निर्माण कार्य तत्काल शुरू करें। छात्रावास भवन के लिए भी उपयुक्त स्थल तय करके निर्माण कार्य शुरू कराएं। मैहर में ही सर्किट हाउस में अतिरिक्त कक्ष और रामगढ़ के शासकीय स्कूल भवन के निर्माण की बाधाएं दूर करके उनका कार्य शुरू करें। बैठक में रीवा बायपास के उन्नयन, सीधी-सिंगरौली हाईवे के निर्माण, मऊगंज में शासकीय आवास निर्माण सहित विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य अभियंता आरके वर्मा ने सड़कों तथा अन्य निर्माण कार्यों की जिलेवार जानकारी दी।

केन्द्रीय जेल में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

रीवा। केन्द्रीय जेल में बरसात के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए चर्म रोग से संबंधित बीमारियों के बचाव एवं निदान हेतु श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के चर्मरोग विभाग के 10 सदस्यीय चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम द्वारा विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर 134 पुरूष बंदी, 20 महिला बंदी सहित कुल 154 बंदियों को चर्मरोग से संबंधित उपचार प्रदान किया गया।

पुल और रपटों में लगाए गए बैरियर

रीवा। जिले में 11 जुलाई को लगातार भारी वर्षा के कारण कई पुल, रपटे और पुलिया जलमग्न हो गए। इनमें किसी भी दुर्घटना को रोकने के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए। इस संबंध में कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग नितिन पटेल ने बताया कि रीवा-गड्डी रोड में 15वें किलोमीटर में धोबी नाला में अधिक पानी आने पर

आवागमन को रोकने के लिए दोनों ओर बैरियर लगाया गया है। गोविंदगढ़ से टीकर होकर लक्ष्मणपुर जाने वाली सड़क में बिछिया नदी के रपटे पर छिरहटा गांव में भी दोनों ओर ड्राप गेट बनाए गए हैं। जिले की अन्य सड़कों में भी इसी तरह छोटे पुलों और रपटों में जल भराव होने पर बैरियर लगाकर वाहनों को रोकने की व्यवस्था की जा रही है।

कमिश्नर आज करेंगे टीएल पत्रों की समीक्षा

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद 15 जुलाई को टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करेंगे। बैठक कमिश्नर कार्यालय सभागार में सुबह 11 बजे आरंभ होगी। बैठक में ई ऑफिस व्यवस्था, पेंशन प्रकरणों के निराकरण तथा विभागीय कार्यों की समीक्षा की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

परीक्षा पूर्व नि:शुल्क प्रशिक्षण के लिए आवेदन 30 जुलाई तक

रीवा। मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति कल्याण द्वारा संचालित परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में बैंकिंग, रेलवे, एसएससी, बीमा, नर्सिंग एवं म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल में चयन के लिये अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों से आगामी 30 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। इस संबंध में प्राचार्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र ने बताया कि आवेदन पत्र स्वयं अथवा रजिस्टर्ड डाक से कार्यालय में जमा किये जा सकते हैं। आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी तथा अनुसूचित जाति अथवा जनजातीय का सदस्य होना चाहिए। आवेदक की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच हो। आवेदक के परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रूपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदक को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तय की गयी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता रखता हो। प्रशिक्षण के लिए चयनित होने पर प्रशिणार्थी को 500 रूपये सुरक्षानिधि जमा करके अनुबंध के अनुसार प्रशिक्षण में प्रवेश दिया जायेगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र शा. ज्ञानोदय विद्यालय अनुसूचित जाति कल्याण विभाग परिसर से प्राप्त की जा सकती है। जानकारी प्राप्त करने के लिए फोन नंबर 07662-299221 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

न्यायाधीशगणों द्वारा किया गया बालकों को जागरूक

रीवा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन में तथा जिला न्यायाधीश श्री सुधीर सिह राठौड व डॉ. श्रीमती अंजली पारे तथा न्यायाधीश व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री समीर कुमार मिश्र के नेतृत्व में आदर्श उ.मा.वि. में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि श्री सुधीर सिंह राठौड ने अपने उद्बवोधन में बालकों को सकारात्मक जीवन शैली अपनाने, उनके मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्तव्यों

का पालन करने और किशोर न्याय अधिनियम के बारे में जानकारी दी। डॉ. श्रीमती अंजली पारे ने बच्चों को गुडटच एवं बैडटच के बारे में विस्तार से जानकारी दी एवं श्री समीर कुमार मिश्र ने कहा कि अपने मन को भटकाव से बचाना है और ऐसा कार्य करना है जिससे हमारा परिवार हमारा समाज गौरवान्वित हो। उन्होने बालकों के अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री अभय कुमार मिश्रा ने नि:शुल्क विधिक सहायता योजना के बारे बताया। लीगल एड. डिफेस के असिस्टेट श्री अनीश कुमार पाण्डेय ने विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी। स्वागत उद्बवोधन अधिवक्ता सुनील अग्रवाल द्वारा दिया गया। संचालन श्रीमती श्रुति पाण्डेय तथा आभार विद्यालय के डायरेक्टर सुभ्राशु पयासी द्वारा किया गया। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज पाण्डेय एवं सचिन गुप्ता सहित समस्त शिक्षकगण व छात्र छात्राये उपस्थित रहे।

अवरूद्ध ईव्हीएम का निस्तारण 16 जुलाई को

रीवा। कपिध्वज सिंह बनाम नागेन्द्र सिंह के प्रकरण में उच्च न्यायालय द्वारा प्रदाय अनुमति के अनुपालन में अवरूद्ध ईव्हीएम का निस्तारण शासकीय इंजीनियरिंग कालेज परिसर स्थित ईव्हीएम वेयर हाउस में 16 जुलाई को शाम 5 बजे किया जायेगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने निस्तारण के दौरान आवेदक, अनावेदक सहित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष/प्रतिनिधियों से उपस्थिति की अपेक्षा की है।

स्ट्रांग रूम खोला जायेगा

रीवा। कपिध्वज सिंह विरूद्ध नागेन्द्र सिंह के प्रकरण में उच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय के परिपेक्ष्य में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा दिये गये निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन 2023 के विधानसभा क्षेत्र 75 गुढ़ की निर्वाचन याचिका में अवरूद्ध ईव्हीएम के निस्तारण हेतु विधानसभा क्षेत्र 75 गुढ़ का स्ट्रांग रूम खोलने की अनुमति कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा दी गई है।

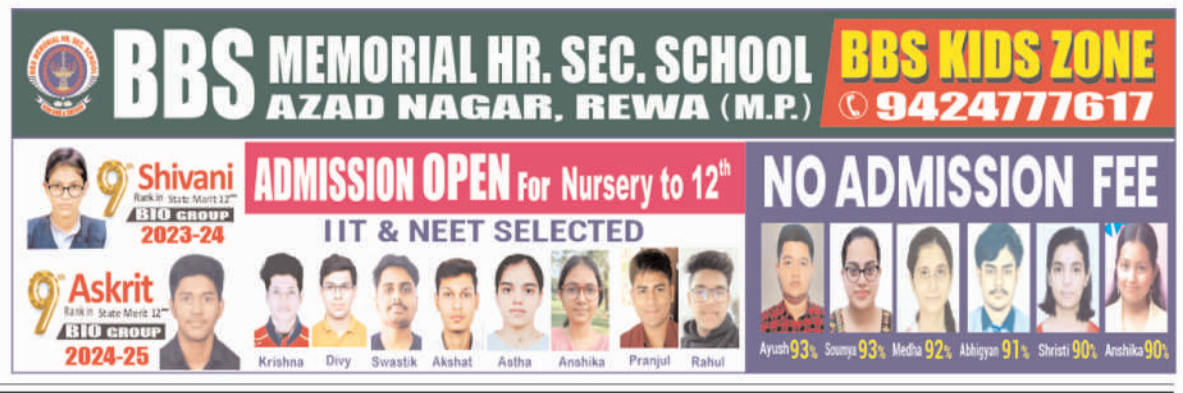

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833